राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 20 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–84 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करवट बदलेगा मौसम, इन राज्यों में आंधी-बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। उत्तर भारत में प्रचंड गर्मी पड़ रही है जिससे लोग परेशान हैं। मौसम विभाग ने आज भी देश के कई राज्यों में लू और गर्मी जारी रहने की संभावना है। कड़ी धूप के साथ गर्म हवाओं के चलते गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। अगले 24 घंटों के दौरान दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लू चलने का पूर्वानुमान है। इन इलाकों में अगले 3 से 4 दिनों तक मौसम साफ रहेगा और तेज धूप निकलेगी। इस दौरान तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं जिसकी वजह से लू चलने की स्थिति बनी रह सकती है। इस बीच मौसम विज्ञान विभाग आज से अगले 5 दिनों के दौरान जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के एक इलाकों में तेज आंधी और गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने आज और कल पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर धूल भरी तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले 4 दिनों के दौरान बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कई जगहों पर आंधी और गरज के साथ बारिश के आसार हैं।

दिल्ली एनसीआर में अगले दो दिन हल्की बारिश के आसार

वहीं तेज धूप और लू के बीच बुधवार को दिल्ली में सीजन की पहली बौछार पड़ सकती है । पश्चिमी विक्षोभ के असर से दो दिन (बुधवार और गुरुवार) को हल्की बारिश हो सकती है । इससे गर्मी से आंशिक राहत मिल सकती है। हालांकि, मंगलवार को भी गर्मी का सितम जारी रहेगा । हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को मौसम विभाग ने पांच जिलों (चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू व किन्नौर) में आंधी चलने और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

सोनू ने कबूल किया अपना जुर्म, कहा- मैंने कुशल चौक के पास फायरिंग की थी; पुलिस ने पिस्टल बरामद की

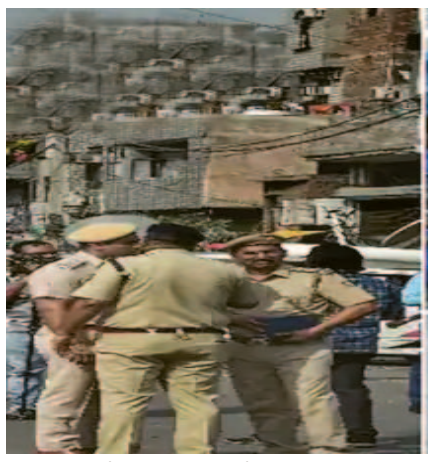

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी हिंसा मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी सोनू चिकना उर्फ इमाम उर्फ यूनुस ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। सोनू ने बताया कि हनुमान जयंती के दिन मैंने कुशल चौक के पास फायरिंग की थी। पुलिस ने सोनू के पास से एक पिस्टल भी बरामद की है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी नॉर्थ वेस्ट ने इसकी जानकारी दी है। दिल्ली पुलिस जहांगीरपुरी हिंसा मामले में वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर रही है। 17 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें 28 साल का सोनू नीले कुर्ते में फायरिंग करता दिख रहा था। वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश कर उसे दबोच लिया है। सोनू ने कबूल किया है कि 16 अप्रैल को उसने कुशल चौक के पास गोलियां चलाई थीं।

हिंसा के दौरान सोनू चिकना का फायरिंग करने का एक वीडियो वायरल हुआ था।

हिंसा के दौरान सोनू चिकना का फायरिंग करने का एक वीडियो वायरल हुआ था।

हिंसा के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है। इसके चलते दिल्ली पुलिस ने अमन कमेटी के सदस्यों के साथ जहांगीरपुरी इलाके में शांति मार्च निकाला। पुलिस और अमन समिति ने लोगों से अपील की कि वे शांति और सद्भाव बनाए रखें।

वहीं, हिंसा मामले में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों पर भी केस दर्ज किया है। उन पर बिना परमिशन के शोभायात्रा निकालने का आरोप है। पुलिस ने VHP के जिला सेवा प्रमुख प्रेम शर्मा को भी गिरफ्तार किया है। इधर, हनुमान जयंती दंगों के मुख्य आरोपी अंसार और असलम सहित 14 लोगों को दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने असलम और अंसार की दो दिन की पुलिस रिमांड बढ़ा दी है। बाकी 12 आरोपियों को जुडिशियल कस्टडी में भेजा गया है। अब तक 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दंगाइयों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से बात की। इसमें अधिकारियों से कहा कि दंगा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई ऐसी की जाए जो मिसाल बने।

मामूली बहस से शुरू हुई हिंसा

जहांगीरपुरी में हनुमान जन्मोत्सव के जुलूस में हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने स्वद्धक्र दर्ज की है। जामा मस्जिद के पास हुई मामूली बहस ने हिंसा का रूप ले लिया था। देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया और शोभायात्रा में भगदड़ मच गई।

डिंगलेश्वर स्वामी का कर्नाटक सरकार पर आरोप, कहा- सरकार मठों से भी 30 फीसदी लेती है कमीशन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के तत्वावधान में ग्लोबल आयुष सेंटर फार ट्रेडिशनल मेडिसिन की आधारशिला रखेंगे। यह भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धति को लेकर पैदा हुई वैश्विक रुचि खासकर पिछले तीन साल में कोरोना के दौरान का परिणाम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस को जहांगीरपुरी हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अप्रैल को बेंगलुरु में पहले सेमीकान इंडिया 2022 सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस बात की जानकारी दी है। वहीं, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता सरदार तनवीर इलियास को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के 14 वें प्रधानमंत्री के रूप में निर्विरोध चुना गया है।

कोरोना के मामलों में बड़ी गिरावट, 24 घंटे में आए 1247 नए मामले, सिर्फ एक की मौत

नई दिल्ली। देश में एक दिन बाद ही कोरोना के मामलों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 1,247 ने मामले सामने आए हैं। जबकि सिर्फ एक मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।

मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना से 928 डिस्चार्ज हुए हैं। हालांकि, एक्टिव मरीजों की संख्या में फिर इजाफा हुआ है। देश में कोरोना के एक्टिव मरीज बढ़कर अब 11,860 हो गए हैं। ये कुल मामलों का 0.03 फीसद है।

एक दिन पहले मिले थे 90 फीसद ज्यादा मामले

बता दें कि देश में एक दिन पहले ही कोरोना के मामलों में करीब 90 फीसद का इजाफा देखा गया था। 18 अप्रैल को कोरोना के 2,183 नए मामले सामने आए थे जबकि 17 अप्रैल को कुल 1,150 केस दर्ज हुए थे। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया कि भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 4,01,909 सैंपल

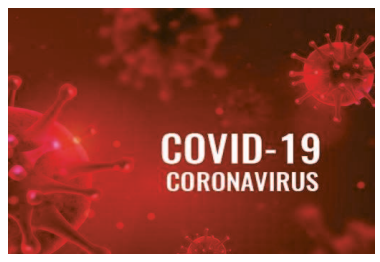

टेस्ट किए गए, कल तक कुल 83,25,06,755 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

केंद्र की केरल सरकार को हिदायत

कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी की वजह केरल सरकार की लेटलतीफी को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र ने केरल सरकार से कहा है कि वह प्रतिदिन कोरोना से संबंधित नवीनतम आंकड़े मुहैया कराए। राज्य सरकार द्वारा पांच दिन बाद आंकड़े उपलब्ध कराए जाने से मामलों, मौतों और संक्रमण दर जैसे महामारी की स्थिति को दर्शाने वाले सभी संकेतकों में अचानक उछाल आ गया है।

टेंशन में अभिभावक, आनलाइन कक्षाएं शुरू करने की मांग

दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में भी कोरोना तेजी से पैर पसार रहा है। इसको लेकर अभिभावकों ने चिंता जताई है। कोरोना के मामले बढ़ने पर अभिभावक अब स्कूलों में आनलाइन कक्षाओं के संचालन की मांग कर रहे हैं। बता दें कि नोएडा में बीते 24 घंटे में कोरोना के 65 नए मामले मिले। इनमें 19 बच्चे शामिल हैं। वहीं 13 मरीज स्वस्थ हुए हैं। अब कोरोना के सक्रिय केस 332 हो गए हैं। इनमें 10 संक्रमितों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

'राधे मां' के बेटे हरजिंदर का खुलासा!

कभी भी मां-बेटे वाला रिश्ता नहीं रहा... खून जरूर खौलेगा लेकिन...

नई दिल्ली। विवादों में रह चुकीं राधे मां एक बार फिर से सुर्खियों में है। दरअसल, हाल ही में राधे मां के बड़े बेटे हरजिंदर सिंह ने एक इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने अपनी मां को लेकर कई अहम बातें की। बता दें कि हाल ही में हरजिंदर सिंह ने रणदीप हुड्डा स्टारर फिल्म इंस्पेक्टर अविनाश में अहम रोल निभाया है। हरजिंदर ने बताया कि मां के यहां आने के कुछ सालों बाद उनका पूरा परिवार मुंबई शिफ्ट हो गया, यहां आकर वो भी एक्टिंग करना चाहते थे जिसके काफी स्ट्रगल के बाद काम मिलना शुरू हुआ। राधे मां संग अपनी बॉन्डिंग को लेकर हरजिंदर ने बताया कि मैं जब तीन से चार साल का था, तो राधे मां ने गृहस्थ आश्रम त्याग दिया था। बचपन में मेरा और भाई का पालन-पोषण हमारी दादी ने किया। पापा भी उस वक्त विदेश में रहा करते थे। राधे मां से मां-बेटे वाला रिश्ता कभी नहीं रहा, जिसका मलाल तो रहेगा ही। मैं तो हर बार उनसे भक्त की तरह ही मिलता रहा हूं। वो घर पर ही रहा करती थीं, लेकिन गृहस्थी से बाहर थीं, वो एक कमरे में बैठी रहती थीं, लोग आते थे और उनसे मिलकर आशीर्वाद लिया करते थे। विवादों में रही राधे मां पर उन्होंने कहा कि लोगों का काम तो कहने का है, जब देवी मां बिग बॉस हाउस गई थीं, तो वो कंटेस्टेंट के तौर पर नहीं गई थीं, वो वहां लोगों को आशीर्वाद देने गई थीं। इस पर भी लोगों ने उन्हें बुरा-भला कहा। एक बेटे के तौर पर जाहिर सी बात है कि मां को कोई कुछ कहे, तो खून जरूर खौलेगा. लेकिन मैं किस-किससे लड़ने जाऊं, मेरी मां ने कभी किसी समुदाय, व्यक्ति या जाति का बुरा नहीं कहा।

'सुप्रीम कोर्ट जिला अदालत नहीं जहां आप आदेशों से खेल सकते हैं'

शीर्ष अदालत ने क्रिप्टो करेंसी घोटाले के आरोपित को दी चेतावनी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिप्टो करेंसी घोटाले के एक आरोपित द्वारा अपना यूजरनेम/पासवर्ड प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ साझा करने के अपने आदेश का पालन नहीं होने को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को कहा, %हम जिला अदालत नहीं हैं जहां आप आदेशों के साथ खेल सकते हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने आरोपित को चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के पिछले आदेशों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ दर्ज मामलों को रद करने की उसकी याचिका खारिज कर दी जाएगी।

पीठ ने अजय भारद्वाज नामक व्यक्ति की ओर से पेश वकील पीसी सेन से कहा, आपने यूजरनेम और पासवर्ड क्यों नहीं बताया जबकि हमारे पिछले आदेश में इसका उल्लेख किया गया था? अगर अनुपालन नहीं हुआ तो हम रिट याचिका खारिज कर देंगे। सुप्रीम कोर्ट कोई जिला अदालत नहीं है जहां आप आदेशों के साथ खेल सकते हैं। आपने खुद बयान दिया कि आप यूजरनेम और पासवर्ड साझा करेंगे और अब तक कोई अनुपालन नहीं हुआ। यह कोई तीस हजारी अदालत नहीं है। ईडी की ओर से अतिरिक्त सालिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि आरोपित जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं कर रहा और उसने संबंधित जानकारी साझा नहीं की है। आरोपित की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि पुणे पुलिस ने सभी संबंधित दस्तावेज, ईमेल आइडी और पासवर्ड जब्त कर लिए थे जिनमें दो क्रिप्टो-करेंसी वालेट से भी जुड़े हैं। दवे ने कहा, ईडी क्रिप्टो करेंसी की बारीकियों को नहीं समझती, लेकिन पुणे पुलिस समझती है। उन्होंने क्रिप्टो करेंसी वालेट के यूजर आइडी और पासवर्ड जब्त कर लिए हैं और मेरा पासवर्ड तक बदल दिया। उन्होंने मेरे वालेट से 1800 रुपये हस्तांतरित किए और पुणे पुलिस ने मेरे बिटकाइन हस्तांतरित करने में शामिल दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि उनका मुवक्किल ईडी से अपने यूजर आइडी और पासवर्ड साझा करने से नहीं बच रहा, लेकिन यह उसके वकील की मौजूदगी में होना चाहिए।

आम्रपाली के हजारों घर खरीदारों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, लोन अकाउंट को एनपीए करने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट कंपनी आम्रपाली समूह की विभिन्न रिहायशी परियोजनाओं में फ्लैट बुक कराने वाले हजारों को खरीदारों को बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने बैंकों को निर्देश दिया है कि लोन नहीं चुकाने वाले खरीदारों के लोन अकाउंट को एनपीए घोषित नहीं करें और न ही उन पर कोई पेनाल्टी लगाएं।शीर्ष अदालत ने कहा कि फ्लैट पर कब्जा मिलने तक खरीदारों को ईएमआइ का भुगतान भी नहीं करना होगा। बैंक कर्ज की मूल रकम और उस पर ब्याज के हकदार होंगे।

करीब 10,000 लोगों ने खरीदे फ्लैट

मौजूदा मामले में फ्लैट खरीदारों, आम्रपाली समूह की कंपनियों और बैंकों के बीच एक योजना (सबवेंशन) पर समझौता हुआ था। इसके मुताबिक फ्लैट पर कब्जा मिलने तक खरीदारों को कोई ईएमआइ नहीं देनी थी। इस योजना के तहत करीब 10,000 लोगों ने फ्लैट खरीदे हैं। लेकिन आम्रपाली समूह की तरफ से की गई चूक के चलते वे फ्लैट मिले बिना ही ईएमआइ का भुगतान करने की देनदारी से परेशान थे।

एनपीए ना घोषित करें

जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सभी तथ्यों और

घटनाक्रमों पर विचार करने के बाद बैंकों को निर्देश दिया कि इस योजना के तहत फ्लैट बुक कराने वाले लोगों के लोन अकाउंट को न तो वे एनपीए घोषित करें और न ही उनके सिबिल को ही प्रभावित करें।

खरीदारों पर बैंक पेनाल्टी भी नहीं लगाएं

ईएमआइ का भुगतान नहीं करने वाले फ्लैट खरीदारों पर बैंक पेनाल्टी भी नहीं लगाएंगे। पीठ ने कहा कि फ्लैट का कब्जा मिलने के बाद खरीदारों की देनदारी शुरू होगी। उसके बाद अगर कोई खरीदार कर्ज का भुगतान नहीं करता है तो बैंक उचित कार्रवाई कर सकते हैं।

रेरा नियमों के क्रियान्वयन को लेकर दिए निर्देश

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों से रियल एस्टेट नियमन एवं विकास कानून यानी रेरा के नियमों के क्रियान्वयन को लेकर केंद्र सरकार के सवालों का जवाब देने के निर्देश दिए हैं। सर्वोच?च अदालत ने कहा कि केंद्र ने पिछले महीने सभी राज्यों को पत्र लिखकर रेरा कानून के अनुपालन के संदर्भ में जानकारियां मांगी थीं लेकिन अब तक केवल पांच राज्यों ने ही आंकड़े उपलब?ध कराए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार दुःख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है। - भगवान श्री कृष्ण

संपादकीय

नफरत से मुकाबला

देश में छह से ज्यादा प्रदेशों में क्या नफरत भरी अभिव्यक्तियों की श्रृंखला चल रही है? दिल्ली से आंध्र प्रदेश तक और गुजरात से बंगाल तक करीब पंद्रह-बीस घटनाएं ऐसी हैं, जिनकी गंभीरता को समझना राष्ट्रहित में जरूरी है। अगर चल रहे नफरती तीरों के तरकश देखें, तो कोई भी पक्ष निर्दोष नजर नहीं आता है। हर तरफ से हमले तेज हो गए हैं। कटु जवाब देने के साथ ही तत्काल हिसाब बराबर कर देने की जल्दी भी बहुत है। धर्म या मजहब के कथित जानकार और जिम्मेदार लोग भी नफरती बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। क्या कुछ लोग इतने भटक गए हैं कि मुंह खोलते ही जहर उगलने लगते हैं? क्या कथित धर्मक्षेत्र के लोगों की भाषा में प्रेम व मानवीयता का अभाव नहीं हो गया है? क्या प्रेम के बिना भक्ति या वैश्विक सद्भाव और सबका कल्याण संभव है? खतरे को ऐसे बढ़ाकर लोगों को भड़काया जा रहा है, मानो खतरा बस दरवाजे के बाहर खड़ा हो? हर पक्ष खुद को निर्दोष और पीड़ित मान रहा है। सकारात्मकता की चर्चा बंद करके नकारात्मकता में बराबरी की खोज हो रही है। कानून के विरुद्ध ही नहीं, बल्कि धर्म के विरुद्ध आचरण करने वालों का भी सम्मान करने वाले लोग कौन हैं? हम कैसा समाज बना रहे हैं? ऐसे सवालों का हुजूम उमड़ पड़ा है और दस से ज्यादा राज्यों में खतरे की घंटियां बज रही हैं। कितनी घटनाओं और कितने भटके हुए लोगों का यहां जिक्र करें? सत्संग में बैठने वालों के मुंह से बदजुबानी की सूची लंबी है। जबकि सभी ने बचपन में यह पढ़ा है- रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय, टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गांठ परि जाय। लेकिन अब शायद बहुत से लोग इस दोहे या उसके भाव को भूलने लगे हैं। याद रहे, कट्टरता को भूलकर ही यह देश आगे बढ़ा था और आज विकास की डगर में आगे निकल आया है और अनेक देशों के लिए मिसाल बन गया है। आज लोगों को अनगिनत नकारात्मक टिप्पणियां और उदाहरण याद हैं, पर सकारात्मक टिप्पणियों और सद्भाव के अनगिन उदाहरणों को नजरंदाज करने वाले लोग क्या चाहते हैं? सबसे बड़ा सवाल यह है कि कानून या संविधान क्या कहता है? इन दंगों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अक्सर यह दावा करती रही है कि उसके राज में दंगे नहीं होते? क्या उसके शासन पर कोई साजिशन दंगे के दाग लगाना चाहता है? सुरक्षा एजेंसियों को अमन बनाए रखने के लिए सक्रिय हो जाना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि नफरती बयार को काबू में करने के लिए हरेक कदम कानून-सम्मत उठाने पड़ेंगे। अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग किसी को नहीं करने देना चाहिए। ऐसे दंगे आर्थिक तरक्की को सीधे प्रभावित करते हैं। युवाओं को सकारात्मक कार्यों में व्यस्त करना जरूरी है। खाली पड़े सरकारी पदों को तत्काल प्रभाव से भरने की जरूरत है। सेना में भर्ती भी जरूरी है, ताकि युवा शक्ति का देश की मजबूती में वाजिब उपयोग हो सके। किसने कितनी नौकरी का वादा किया था, यह बात भूल जाइए, लेकिन गौर कीजिए, एक अनुमान के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारें अगर चाहें, तो करीब 60 लाख युवाओं को नौकरी मिल सकती है। जिस विकसित भारत का सपना हम देख रहे हैं, उसके लिए अमन-चैन बुनियादी जरूरत है। जो भी देश दुनिया में अपनी मेहनत से विकसित हुए हैं, उनके शासन-प्रशासन से हमें सीखना चाहिए। बेशक, आज विकास के जरूरी तत्वों-संसाधनों को जोड़े रखने के लिए सद्भाव भरे वचनों-वक्तव्यों की जरूरत है।

आज के कार्टुन

स्त्री

आचार्य रजनीश ओशो/ सारी की सारी शिक्षा पुरुष के लिए ईजाद की गई है। और उसी पुरुष के लिए ईजाद की गई, स्त्री को भी उसी शिक्षा के ढांचे में ढाला जा रहा है। उसके परिणाम घातक हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी से पढ़-लिख कर जो लड़की निकलती है, उसमें स्त्रैण तत्व अनिवार्यतः कम हो जाता है। क्योंकि शिक्षा पुरुष के लिए ईजाद की गई थी। थोड़ा उलटा सोचें तो समझ में आ जाएगी बात। कोई नगर ऐसा हो, जहां की सारी शिक्षा स्त्रियों के लिए ईजाद की गई हो। संगीत की शिक्षा वहां दी जाती हो, नृत्य की शिक्षा दी जाती हो, काव्य की शिक्षा दी जाती हो, भोजन बनाने की, कपड़े सीने की, मकान सजाने की, बच्चों को पालने और बड़ा करने की--यह सारी शिक्षा दी जाती हो। किसी नगर में स्त्रियों के लिए शिक्षा दी जाती हो और उस नगर में पुरुष बहुत दिन तक अशिक्षित रखे गए हों। फिर पुरुषों में बगावत फैले और वे कहें कि हमें शिक्षा की जरूरत है, हम भी शिक्षा लेंगे। और स्त्रियां कहें कि ठीक है, हमारे कॉलेजेस में आकर तुम शिक्षा ले डालो। तो वे पुरुष भी नाचें, गाएं, गीत बनाएं, कविता करें, घर सजाएं, बच्चों को पालने की शिक्षा लें, तो क्या परिणाम होगा उस गांव में? उस गांव के पुरुष किसी गहरे अर्थ में स्त्रैण हो जाएंगे। उस गांव के पुरुषों में, जो पुरुष होना है वह कम हो जाएगा। वह जो पुरुष की तीव्रता है, वह जो पुरुष की प्रखरता है, वह क्षीण हो जाएगी। वह जो पुरुष के कोने हैं व्यक्तित्व में, वह गोल हो जाएंगे, वह राउंड हो जाएंगे, उनको झाड़ दिया जाएगा। जैसा दुर्भाग्य उस गांव में पुरुषों के साथ होगा, वैसा दुर्भाग्य पूरी पृथ्वी पर आज स्त्रियों के साथ हो रहा है। उनके व्यक्तित्व का बुनियादी भेद छोड़ा जा रहा है। उस बुनियादी भेद को समझ लेना बहुत ही उचित है। यह पृथ्वी पूरी शांत हो जाए, अगर दंपति शांत हो जाएं। क्योंकि हमारा सारा वैमनस्य, सारा दुख, सारी पीड़ा हमारे छोटे-छोटे घरों के उपद्रवों में पैदा होती है। जैसे एक गांव में घर-घर से धुआं निकलता है, अपने-अपने चौके से और फिर गांव के पूरे आकाश पर धुआं छा जाता है। छोटा-छोटा, एक-एक चौके से निकला हुआ धुआं धीरे-धीरे पूरे गांव के आकाश को भर देता है। सारी पृथ्वी अशांति से भर जाती है, क्योंकि जो व्यक्तियों के मिलन का मूल-बिंदू है, मूल इकाई है स्त्री और पुरुष, वह मिलन दुखद है, वहां अशांति है। वह अशांति फैलते-फैलते सारे जगत को घेर लेती है। फिर बहुत रूपों में प्रकट होती है। यह रूप इतने भिन्ना हो जाते हैं कि कहना मुश्किल है।

राजस्थान में नहर विवाद बनेगा चुनावी मुद्दा

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को लेकर कांग्रेस व भाजपा में विवाद बढ़ गया है। इस परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत का कहना है कि 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर व अजमेर की जनसभा में राजस्थान के 13 जिलों को मीठा पानी उपलब्ध कराने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात कही थी। जिसे अभी तक पूरा नहीं किया गया है। इस परियोजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान की जनता से वादाखिलाफी कर रहे हैं। गहलोत का कहना है कि यदि केंद्र सरकार इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दे देती है तो परियोजना की कुल लागत का 90 प्रतिशत खर्चा केंद्र सरकार उपलब्ध करा देगी। राज्य सरकार को मात्र 10 प्रतिशत राशि ही खर्च करनी पड़ेगी। ऐसे में 40 हजार करोड़ रुपयों वाली इस बड़ी परियोजना को धन की उपलब्धता के चलते जल्दी पूरा किया जा सकेगा। जिससे प्रदेश के 13 जिलों का कायाकल्प हो जाएगा। इन 13 जिलों के करीबन साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को जहां पीने को मीठा पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं डेढ़ से दो लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई भी होगी। जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यह नहर परियोजना पूरी होने पर पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के लोगों के लिए एक नई जीवनदायिनी साबित होगी। दरअसल इस विवाद की शुरुआत जल जीवन मिशन पर जयपुर में 9 राज्यों की रीजनल कॉन्फ्रेंस के दौरान हुई थी। जहां केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राजस्थान के जलदाय मंत्री महेश जोशी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के मुद्दे पर भीड़ गए थे। महेश जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे का हवाला देकर पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग रखी थी। इस पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने महेश जोशी को भाषण के बीच में ही टोकते हुए कह दिया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजमेर के सभा में उक्त नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने पर एक शब्द बोला हो तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। शेखावत ने जोशी से कहा कि बोलने से पहले आप रिकॉर्ड चेक कर लीजिए। आपके पास वीडियो नहीं है तो दोनों कार्यक्रमों के वीडियो में आपको भेज देता हूं। जिस अजमेर की मीटिंग को आप मेंशन कर रहे हो प्रधानमंत्री ने अजमेर की मीटिंग में एक शब्द भी इस बारे में नहीं कहा। उन्होने केवल प्रस्ताव प्राप्त होने की बात कही थी। हमें एक बार रिकॉर्ड चेक करके सुनिश्चित करने के बाद ही बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं दावे से कहता हूं कि अजमेर की मीटिंग में एक शब्द बोला हो तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा या आप के मुख्यमंत्री राजनीति छोड़ दें। इस तरह की बात कहने का यह तो मंच नहीं है। महेश जोशी ने कहा था कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाना बहुत जरूरी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में दो बार इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया था। चाहे जो भी परिस्थिति हो इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाना चाहिए। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सरकार ने 2017-18 के बजट में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की घोषणा की थी। इस परियोजना में राजस्थान के जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ सहित कुल 13 जिले शामिल है। इस परियोजना के पूरा होने पर 13 जिलों में पेयजल और सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी। इस परियोजना में 6 बैराज और एक बांध बनाया जाएगा। नदियों और बांधों को आपस में जोड़ने के लिए 1268 किलोमीटर लंबी नहरे बनेगी। इस परियोजना की लागत फिलहाल 38 हजार करोड रुपए आंकी गई है। इस परियोजना पर अभी तक राज्य सरकार ने अपने बजट से करीबन एक हजार करोड रुपए से अधिक की राशि खर्च कर कई जिलों में बैराज निर्माण कार्य शुरू करवाए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने 2022-23 के बजट में भी उक्त परियोजना के लिए 9 हजार 600 सौ करोड रुपए देने की घोषणा की है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के जल प्रबंधन को नए सिरे से विकसित करना है। इस योजना के जरिए दक्षिणी राजस्थान में स्थित चंबल और उसकी सहायक नदियों कुन्नू, पार्वती, कालीसिंध को आपस में जोड़ा जाना है। इसके साथ ही इन नदियों में बारिश के मौसम के दौरान इकट्ठे होने वाले पानी के लिए नई तकनीकी विकसित करना है। राज्य के जल संसाधन विभाग के अनुसार देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का भौगोलिक क्षेत्रफल 342.52 लाख हेक्टेयर है। जो पूरे देश का 10.4 प्रतिशत है। लेकिन यहां सतही जल का केवल 1.16 प्रतिशत और भूजल का 1.72 प्रतिशत ही है। ऐसे में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यहां की पानी की समस्या को दूर करने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसके बनने से राजस्थान के 41.6 प्रतिशत क्षेत्रफल में सिंचाई के साथ-साथ 23.67 प्रतिशत क्षेत्र के वाटर लेवल को भी मेंटन किया जा सकेगा। केंद्र सरकार ने 1996-97 में त्वरित सिंचाई लाभ योजना बनाई थी। ऐसी बड़ी परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजना कहां गया। राष्ट्रीय परियोजना उन परियोजनाओं को बनाया जा सकता है जिसमें दो लाख हेक्टेयर से अधिक की सिंचाई हो सके और जल बंटवारे का विवाद ना हो। अभी तक देश में कुल 16 राष्ट्रीय परियोजनाएं हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले राजस्थान में इनमें से एक भी परियोजना नहीं है। हालांकि इस परियोजना पर मध्य प्रदेश सरकार ने एनओसी नहीं दी है। मध्यप्रदेश में जब कमलनाथ की सरकार थी तब उस समय परियोजना की एनओसी को रोका गया था। मध्यप्रदेश ने राजस्थान के प्रोजेक्ट पर यह कहकर आपत्ति जताई थी कि यह प्रस्ताव भारत सरकार की अंतर राज्य नदियों की गाइडलाइन के अनुसार नहीं है। गाइडलाइन के अनुसार 75 प्रतिशत निर्भरता होने पर ही परियोजना बनाई जानी थी। लेकिन राजस्थान में 50 प्रतिशत ही निर्भरता की योजना भेजी हुई है। इसके चलते मामला अंतर राज्य विवाद का बन रहा है। इस परियोजना पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान के बाद कांग्रेस ने इस पर विवाद खड़ा कर इसे मुद्दा बना लिया है। इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी राजस्थान के 13 जिलों में केंद्र सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने लगी है। शेखावत के बयान के बाद कांग्रेस लगातार हमलावर है। राजनीतिक रूप से कांग्रेस इन 13 जिलों में आधे से ज्यादा जिलों में मजबूत स्थिति में है। इस परियोजना को मुद्दा बनाकर कांग्रेस 2023 के चुनाव में फिर से बहुमत हासिल करने के प्रयास में लग गई है। इन 13 जिलों में विधानसभा की 83 सीट आती है। जिनमें से अभी कांग्रेस के पास 49 और भाजपा के पास 25 सीट हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव तक कांग्रेस हर हाल में इस मुद्दे को बनाए रखना चाहती है। जिससे मतदाताओं को अपने पक्ष में कर सकें। कांग्रेस के नेताओं को लगता है कि इस मुद्दे को आगे बढ़ा कर वह भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेर सकती है। पूर्वी राजस्थान में नहर का मुद्दा धीरे धीरे चर्चा का विषय बनता जा रहा है। यदि समय रहते इसका हल नहीं निकला तो चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा बनकर राजनीति की धारा को मोड़ने का कारण बन सकता है।

बदलाव के दावों के हकीकी अहसास जरूरी

सुरेश सेठ

कोरोना संकट के बाद जब देश के सामान्य हो जाने के समाचार मिल रहे थे, संक्रमण के नये मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, इस कठिन समय का मुकाबला करने में देश की सरकार द्वारा चलाया गया कोरोना निरोधी टीका अभियान रिकार्ड तोड़ सफलता से देश का संबल मजबूत हुआ है। इसी कारण देश ने कोरोना की चौथी लहर के मुकाबले का संकल्प लिया है। लेकिन लगता है कोरोना के इस आसन्न संकट के प्रति अभी भी देश को सचेत रहना पड़ेगा। वैसे जैसे यहां जनसाधारण की आदत है, कोरोना प्रभाव के आंकड़ों के घटते ही उन्होंने इसे मुक्त हृदय से विदा दे दी है। शारीरिक दूरी बना रखने की चेतावनी अब केवल किताबी रह गयी है, और चेहरे पर मास्क रखने की उलझन से तो लगभग सबने छुटकारा पा लिया। लेकिन अभी ओमीक्रोन वायरस के एक और वेरिएंट के फूटने की संभावना फिर चौंका देती है कि इतनी लापरवाही अच्छी नहीं, अभी एहतियात तो रखना ही पड़ेगा। प्रशासनिक स्तर पर कोरोना निरोधी टीकों को ही मुक्ति-दूत माना जा रहा है। सरकार के अनुसार, देश के लगभग सभी लोगों को निरोधी टीकों की दो खुराक तो लग ही गयी हैं, लेकिन अब विशेषज्ञों का मत है कि टीके की दूसरी खुराक अपना एंटीबॉडी बनाने का सद् प्रभाव नौ महीनों में क्षीण कर देती है। इसलिए अब देश की कुल वयस्क आबादी को तीसरी बूस्टर डोज लगाने की मंजूरी दे दी गयी है। लेकिन इस स्वीकृति में एक अन्तर है कि अब देश की वयस्क आबादी यह बूस्टर डोज निजी अस्पतालों से लगवा सकेगी। जहां तक नये नियम का संबंध है अभी तक यह टीका मुफ्त लग रहा था, अब यह मुफ्त सेवा केवल वरिष्ठ नागरिकों एवं सेहत कर्मियों को मिलेगी। इस आदेश पर जनकल्याण विचारधारा यह प्रश्न उठा रही है, कि अब जब बढ़ती महंगाई के कारण जीएसटी से लेकर वैट, एक्साइज तक सभी कर संग्रहों में वृद्धि हो गयी है, सबके लिए यह मुफ्त सेवा जारी रहनी चाहिये थी। सरकार अपने भरते खजाने के साथ इस अतिरिक्त व्यय को सह सकती थी। लेकिन ऐसा क्यों नहीं किया गया? क्या इसका कारण निजी क्षेत्र का दबाव तो नहीं कि तीसरी डोज के कारण पैदा होने वाली मांग सार्वजनिक क्षेत्र से निजी क्षेत्र को दे दी जाये, इस व्यवसाय की रगों में नया रुधिर बनाकर। उधर, चिकित्सा विशारद तो इन कोरोना निरोधी टीकों की सर्वमान्यता के प्रति भी सचेत कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह टीका केवल संक्रमित की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। कोरोना का वायरस बड़ा बहुरूपी है। अभी चीन को देख लीजिये। उसके बहुरूप संक्रमण प्रभाव ने वहां फिर लॉकडाउन की स्थिति पैदा कर दी है। भारत के जरूरी आयात पर जन बहिष्कार की घोषणा के बावजूद इसका प्रभाव पड़ा है। फार्मा अथवा दवा उद्योग का हमारा अधिकतर कच्चा माल चीन से आता है। क्या वहां गतिविधि अवरोध का यह प्रभाव ही तो नहीं है कि भारत ने अपनी आवश्यक दवाओं के दाम भी इस वर्ष दस से पंद्रह प्रतिशत बढ़ा दिये। किस्सा कोताही यह कि अभी चिकित्सा अन्वेषण का शोध मार्ग चलता रहे। पूर्ण मुक्ति तो कोरोना वायरस उन्मूलक टीके से ही होगी, केवल निरोधी टीके से नहीं। फिर जैसी भारत के आम आदमी की आर्थिक अवस्था है, तीसरी डोज का यह टीकाकरण भी अभी सार्वजनिक कल्याण क्षेत्र में मुफ्त ही रहना चाहिये था। रियायती दाम कह कर यह घटा हुआ दाम भी आम आदमी की जेब पर भारी है। जहां तक आम आदमी के बजट के बिगड़ने का सवाल है, अभी रिजर्व बैंक द्वारा घोषित की गयी नयी मौद्रिक नीति भी इस तथ्य को स्वीकार कर रही है, कि दस मार्च को विधानसभा चुनावों के निबट जाने के बाद इक्कीस मार्च से लगातार पेट्रो उत्पादनों और गैस की बढ़ती कीमतों ने देश के महंगाई सूचकांक पर ऐसा कुप्रभाव डाला है कि अभी जून मास तक तो देश के खुदरा मूल्यों या महंगाई पर नियंत्रण की कोई संभावना नहीं। इसके बाद भी पूरा वर्ष यह खुदरा महंगाई दर पांच प्रतिशत से ऊपर रहेगी। निश्चय ही महंगाई का इस स्तर पर बने रहना आम आदमी के आर्थिक संकट को निमंत्रण है। दरअसल, आम आदमी यह समझ नहीं पा रहा कि जब विधानसभा चुनावों से पूर्व केंद्र और राज्य सरकारें अपने करों में कटौती करके इसकी कीमतों में राहत दे सकती थीं और पूरे चुनाव संघर्ष और उसके परिणाम काल में इनकी मतों को स्थिर रख सकती थीं, तो अब अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के ऊंचे स्तर अथवा पेट्रो कंपनियों के घाटे से हमदर्दी जताकर यह निरंतर बढ़ती पेट्रो उत्पादन कीमतों की परेशानी उनका घरेलू बजट क्यों झेल रहा है? अब जब शासन के राजस्व के बढ़ने के समाचार उन्हें चहुंओर से आ रहे हैं, तो उन्हें पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में राहत क्यों नहीं दी जा रही? रिजर्व बैंक ने तो अपनी मौद्रिक नीति घोषणा में विकास दर प्रत्याशा को भी घटा दिया है, और महंगाई के बने रहने पर बेबसी जाहिर कर दी है। इसका संवेदी प्रभाव आत्मनिर्भर भारत और स्टार्टअप इंडिया के सपने को साकार करने में व्यवधान पैदा करेगा। संसद के बजट सत्र का सत्रावसान हो गया। आकलन आ गया कि यह सत्र सफल रहा। नब्बे प्रतिशत तक काम हो गया। लेकिन फिर भी अन्तिम दिवस विपक्ष का हो-हल्ला देश में लगातार बढ़ती कीमतों पर चर्चा करने और सरकार द्वारा उसका संज्ञान लेकर प्रत्युत्तर देने के व्यर्थ कोहराम में क्यों बदला। सत्तासीनों ने जनता की नब्ज क्यों नहीं पहचानी कि वह आज गारंटी चाहती है कि अब पेट्रोलियम आइटमों की कीमतें और नहीं बढ़ेंगी? राजस्व से भरते हुए खजाने की एक कटौती भरी दुआ उसे फिर मिल जायेगी कि इसकी पुनः स्थिर होती कीमतें देश के मूल क्षेत्र कृषि की द्वितीय क्रांति के आगमन को बाधा रहित कर सकें, नवजीवन के लिए करवट बदलने की चाह रखने वाले छोटे-बड़े व्यवसाय को गतिशील रहने का आश्वासन दे सकें। कोरोना मुक्ति के प्रसारित विश्वास के इस स्फुरण में महानगरों से पलायन कर अपने गांवों और कस्बों में पुनः आश्रय तलाश करती श्रम शक्ति अपने गांव-घरों के पास कृषि उत्पादों के विकास के लिए, विनिर्माण के लिए लघु और कुटीर उद्योगों के पुनर्जन्म की एक नयी दुनिया चाहती है।

सू-दोकू नवताल -2096

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

सू-दोकू - 2095 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2096

1	2	■	3	4	5		■	6	7
8		9	■	10		■	11	■	
	■	12			■	13		14	
15			■	16	17		■		■
	■	■	18	■		■	19	■	20
■	21			22	■	23		■	
24		■	25				■	26	■
	■	27	■		■	28	29		30
31				■	32	■		■	
	■		■	33				■	

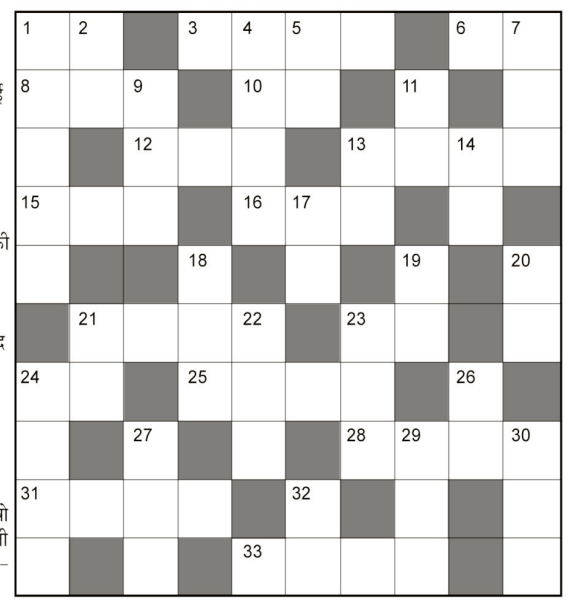

बायें से दायें:-

1. 'नदिया किनारे आओ जाना' गीत वाली संजय दत्त, आफताब शिवदासानी, नंदितादास की फिल्म-2
3. जॉय मुखर्जी, माला सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-4
6. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की फिल्म-2
8. 'सारा जमाना हसीनों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
10. फिल्म 'बावर्ची' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी-2
12. 'दो नैनों में आंसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
13. 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
15. 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, की फिल्म-3
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
21. मनोज कुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
23. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया हूं' गीत वाली फिल्म-2
25. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
28. शाहरुख, विवेक मुशरान, जूही की फिल्म-4
31. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी याद में' गीत वाली शशि कपूर की फिल्म-4
33. संजीव कुमार, लीना चंदावरकर की 'तन मन धन सब है तेरा' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'ये जुल्फ कैसी है जंजीर जैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
2. फिल्म 'साया' में जॉनअब्राहम की नायिका-2
4. अमिताभ, परवीन बॉबी की 'देख सकता हूं मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-4
5. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-2
7. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
9. 'तुम्हारी पलकों की चिलमनों में' गीत वाली फिल्म-3
11. अजय देवगन, रवीना, रीना राय की फिल्म-2
13. अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-2
14. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार आजा' गीत वाली फिल्म-2
17. फिल्म 'तक्षक' की नायिका-2
18. सोहराब मोदी, सुनील दत्त, निम्मी की फिल्म-3
19. संजय खान, मुमताज की 'गोरी के हाथ में जैसे ये छल्ला' गीत वाली फिल्म-2
20. अभिषेक, विवेक, अजय, रानी, करीना, एशा देओल की फिल्म-2
21. 'कोई जब राह न पाये' गीतवाली फिल्म-2
22. अष्मित पटेल, मीरा की 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
24. 'हो छोड़ो छोड़ो मेरी राहें' गीत वाली राकेश रोशन, शत्रुघ्न, रीना राय, रंजीता की फिल्म-4
26. संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
27. 'है ना बोलो बोलो' गीत वाली फिल्म-3
29. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
30. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली हैं-3
32. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2095

त्रि	शू	ल	■	ग	द्दा	र	■	धा	■
दे	■	गा		ब	■	ह	म	श	ज
व	च	न	■	न	ग	मा	■	वी	रू
■	र	■	घ	■	ज	न	म	■	र
ती	स	री	मं	जि	ल	■	दा	व	त
स	■	■	डी	■	■	नू	री	■	■
श	जा	जी	■	अ	मृ	त	■	प	■
कौ	न	■	■	प	■	न	व	रं	ग
न	■	अ	नु	श	ग	■	■	प	■
■	जु	म्मा	■	ध	■	अ	नु	श	धा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मई माह में आ सकता हैं कैंपस शूज का आईपीओ

मुंबई । मई माह में एक साथ कई कंपनियों के आईपीओ लांच होने वाले हैं। इनमें स्पोर्ट्स और एथलीजर फुटवियर कंपनी कैंपस शूज का आईपीओ भी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी मई 2022 में स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होने की योजना बना रही है। कैंपस शूज ने पिछले साल डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) फाइल किया था। फुटवियर कंपनी ने अपने डीआरएचपी में पब्लिक इश्यू के द्वारा प्रमोटरों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 5.10 करोड़ इक्विटी शेयरों के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का प्रस्ताव रखा था। इस ओएफएस में शेयरों की पेशकश करने वाले कैंपस शूज के प्रमोटरों में हरि कृष्ण अग्रवाल और निखिल अग्रवाल शामिल हैं। ओएफएस में पेश किए गए इक्विटी शेयरों में टीपीजी ग्रोथ III एसएफ पीटीई लिमिटेड और क्यूआरजी एंटरप्राइजेज लिमिटेड जैसे निवेशक शामिल हैं। बता दें कि फिलहाल कैंपस शूज के प्रमोटरों की कंपनी में 78.21 फीसदी, टीपीजी ग्रोथ और क्यूआरजी एंटरप्राइजेज की क्रमशः 17.19 फीसदी और 3.86 फीसदी हिस्सेदारी है। शेष 0.74 प्रतिशत हिस्सेदारी व्यक्तिगत शेयरधारकों और कंपनी के मौजूदा कर्मचारियों के पास है। स्पोर्ट्स और एथलीजर फुटवियर कंपनी कैंपस शूज दिल्ली में स्थित है। यह कंपनी अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार करने के अलावा पश्चिमी और दक्षिणी भारत में अपने विस्तार पर विचार कर रही है।

कार्बन उत्सर्जन कम करने डाबर इंडिया 100 ई-वाहनों को खरीदेगी

नई दिल्ली । स्वास्थ्य आधारित उत्पाद बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि वह अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए अगले एक साल में 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बेड़े में शामिल करेगी। कंपनी ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को पहले उत्तर भारत में उसके बेड़े में शामिल किया गया है और हरियाणा के सोनीपत क्षेत्र में इन वाहनों की आपूर्ति शुरू हो गई है। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने एक बयान में कहा कि अगले 12 महीनों में पूरे देश में सभी 100 इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल कर लिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस कदम से उसके सालाना कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आएगी।

कार्बन उत्सर्जन कम करने डाबर इंडिया 100 ई-वाहनों को खरीदेगी

नई दिल्ली । स्वास्थ्य आधारित उत्पाद बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि वह अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए अगले एक साल में 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बेड़े में शामिल करेगी। कंपनी ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को पहले उत्तर भारत में उसके बेड़े में शामिल किया गया है और हरियाणा के सोनीपत क्षेत्र में इन वाहनों की आपूर्ति शुरू हो गई है। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने एक बयान में कहा कि अगले 12 महीनों में पूरे देश में सभी 100 इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल कर लिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस कदम से उसके सालाना कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आएगी।

होंडा कार्स के 'होंडा सिटी ई:एचईवी' मॉडल का उत्पादन शुरू, बिक्री अगले महीने से

नई दिल्ली । मशहूर कार निर्माता कंपनी होंडा कार्स ने अपनी पापुलर सेडान सिटी के आगामी इलेक्ट्रिक हाईब्रिड संस्करण का उत्पादन शुरू कर दिया है। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने मंगलवार को कहा कि नई 'होंडा सिटी ई:एचईवी' को अगले महीने की शुरुआत में बाजार में उतारा जाएगा। इस गाड़ी को राजस्थान के टपुकारा स्थित कंपनी के विनिर्माण संयंत्र में बनाया जा रहा है। एचसीआईएल ने एक बयान में कहा कि ग्राहक 21,000 रुपये की बुकिंग राशि के साथ देश भर के डीलरशिप पर नई होंडा सिटी ई:एचईवी बुक कर सकते हैं। इस कार को कंपनी की वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन भी बुक किया जा सकता है। एचसीआईएल के अध्यक्ष और सीईओ ताकुया त्सुमुरा ने कहा कि यह पहल भारतीय ग्राहकों के लिए उन्नत तकनीकों को लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'एक कंपनी के रूप में हम हमेशा भारत सरकार के मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देंगे।'

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट भारी बिकवाली से आई है। दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि. और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 703.59 अंक करीब 1.23 फीसदी की गिरावट के साथ ही 56,463.15 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 57,464.08 अंक तक गया था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 215 अंक तकरीबन 1.25 फीसदी फिसलकर 16,958.65 अंक पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र है, जब बाजार नीचे आया है। बाजार जानकारों के अनुसार मुद्रास्फीति के बढ़ने और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया भर में जारी अनिश्चित वैश्विक स्थिति के कारण भी विदेशी कोषों की जमकर निकासी हुई जिससे घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है। एचडीएफसी लि. एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईटीसी, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर टूटे हैं जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयरों को लाभ हुआ है। एचडीएफसी लिमिटेड का शेयर भी शीर्ष 10 मार्केट कैप वाली कंपनियों की सूची से बाहर हो गया है क्योंकि कंपनी मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से 10 सबसे ज्यादा कीमती कंपनियों की सूची से बाहर हो गई हैं। पिछले दो सप्ताह के दौरान इसके शेयर में लगभग 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है. वहीं, एचडीएफसी बैंक के शेयर में भी पिछले दो हफ्तों में लगभग इतनी ही गिरावट दर्ज की गई है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर को मिली मजबूती और विदेशी कोषों की निकासी के बीच ही डॉलर के मुकाबले रुपया 22 पैसे नीचे आकर 76.51 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 76.34 पर खुला और 76.51 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ। यह पिछले कारोबारी दिन की तुलना में 22 पैसे की गिरावट को दिखाता है। कारोबार के दौरान एक समय रुपया 76.25 के उच्चस्तर तक गया और फिर नीचे आकर 76.53 के निचले स्तर तक खिसक गया। वहीं इससे पहले सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 76.29 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। घरेलू बाजारों से विदेशी कोषों की निकासी से रुपये में यह गिरावट आई है। रुपये में लगातार चौथे दिन गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 38 पैसे कमजोर हुआ है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 100.79 पर पहुंच गया।

सीतारमण ने श्रीलंका के वित्तमंत्री को भारत की तरफ से हर संभव सहायता का विश्वास दिलाया

वॉशिंगटन। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी से भेंट की और उन्हें विश्वास दिलाया कि एक दोस्त और अच्छे पड़ोसी के रूप में भारत हर संभव सहायता देने का प्रयास करेगा। गौरतलब है कि श्रीलंका अपनी आजादी के बाद सबसे भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और दिवालिया होने की कगार पर है। सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में शामिल होने यहां आई हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सीतारमण ने सोमवार को साबरी के साथ श्रीलंका में मौजूदा चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज वाशिंगटन डीसी में आईएमएफ-डब्ल्यूबी बैठक के मौके पर श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी से मुलाकात की। उन्होंने श्रीलंका की वर्तमान आर्थिक स्थिति और समाधान पर चर्चा की।' एक अन्य ट्वीट में कहा गया, 'केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने श्रीलंका को भरोसा दिया कि एक करीबी दोस्त और अच्छे पड़ोसी के रूप में भारत श्रीलंका को हर संभव मदद देने की कोशिश करेगा।' श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच सरकार की विफलता के खिलाफ पूरे देश में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन किए जा रहे हैं। जनता महीनों से ईंधन, रसोई गैस और जरूरी सामान की कमी से जूझ रही है। भारत ने फरवरी में श्रीलंका को पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सहायता दी थी। इसके बाद आर्थिक संकट से उबारने के लिए हाल ही में एक अरब डॉलर की ऋण सहायता की घोषणा भी की।

क्रूड ऑयल ने फिर मारी छलांग, 114 डॉलर के पार, बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

-प्राकृतिक गैस भी 14 साल में शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) ने एक बार फिर ऊंची छलांग मारनी शुरू कर दी है। यूरोपीय संघ ने रूस पर नए प्रतिबंध लगा दिए जिससे क्रूड की सप्लाई पर असर पड़ा है। दूसरी ओर, कोरोना संक्रमण कम होने से चीन के शंघाई शहर में औद्योगिक गतिविधियां दोबारा शुरू होने की उम्मीद है, जिससे मांग और बढ़ जाएगी। क्रूड ही नहीं नेचुरल गैस की कीमतें भी आसमान पर जा रही हैं। ग्लोबल मार्केट में इसका रेट अभी 14 साल में सबसे ज्यादा है।

ब्रेंट क्रूड का दाम एक बार फिर ऊपर चढ़ना शुरू हो गया है। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 111 डॉलर प्रति बैरल के भाव था, जो आज बढ़कर 114 डॉलर पहुंच गया। तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक ने तय लक्ष्य से उत्पादन को जारी रखा है, जबकि यूरोपीय संघ की ओर से रूस पर नए प्रतिबंध लागू करने से सप्लाई और बाधित हो गई। लीबिया में भी कच्चे तेल का उत्पादन घट गया है, जबकि चीन दोबारा अपने बाजार खोल रहा जिससे खपत और बढ़ने का अनुमान है। ऐसे में पूरी गुंजाइश है घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल के दाम दोबारा बढ़ने शुरू हो सकते हैं। ग्लोबल मार्केट में प्राकृतिक गैस के दाम 8 डॉलर तक पहुंच गए हैं, जो 14 साल का सबसे ऊंचा भाव है। प्राकृतिक गैस की कीमतों में लगातार दूसरे महीने भी तेजी जारी है। अप्रैल में अब तक इसका भाव 38 फीसदी चढ़ा है। दूसरी ओर, भंडार में कमी आ रही। अमेरिका में नेचुरल गैस का भंडार तीन साल के निचले स्तर पर चला गया है, जबकि निर्यात 13 फीसदी बढ़ा है। एग्री कमोडिटी के भाव देखें तो गेहूं की कीमतें चार सप्ताह की ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। ग्लोबल मार्केट में गेहूं का भाव 1,130 डॉलर प्रति टन पहुंच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से अप्रैल में गेहूं 12.50 फीसदी महंगा हो चुका है। मक्के ने तो 10 साल की ऊंचाई छू लिया और उसका भाव 820 डॉलर के करीब पहुंच गया है। युद्ध संकट की वजह से काला सागर के जरिये निर्यात पूरी तरह रुक गया है, जबकि सप्लाई घटने और मांग बढ़ने से कीमतें लगातार ऊपर जा रही हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि इस बार उत्तरी अमेरिका में सूखा पड़ने की आशंका है, जिससे एग्री कमोडिटी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

वित्त मंत्री बोली- मनीलॉन्डिंग, आतंकी वित्त पोषण की जांच के लिए वैश्विक स्तर पर क्रिप्टो को विनियमित करना जरूरी

वॉशिंगटन ।

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मनीलॉन्डिंग (धन शोधन) और आतंकी वित्त पोषण के खतरों को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने की एक सुदृढ़ योजना बनाने की सिफारिश की है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि सीतारमण ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सरकार की चिंताओं से भी वैश्विक समुदाय को अवगत कराया। वित्त मंत्री ने आईएमएफ द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि जब तक क्रिप्टो परिसंपत्तियों की गैर-सरकारी गतिविधियां अनहोस्टेड वॉलेट के माध्यम से होंगी, उनका विनियमन बहुत कठिन होगा। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, सेंट्रल बैंक द्वारा संचालित डिजिटल मुद्राओं के माध्यम से देशों के बीच सीमा पार से भुगतान बहुत प्रभावी हो जाएगा।

उन्होंने कहा, मुझे गैर-सरकारी डोमेन पर जो जोखिम अधिक चिंतित करता है, वह यह कि आप दुनिया भर में सीमाओं के पार बिना होस्ट किए गए वॉलेट देख रहे हैं...इसलिए, किसी एक देश द्वारा अपने क्षेत्र के भीतर प्रभावी तरीके से विनियमन नहीं किया जा सकता है, और सीमापार विनियमन करने के लिए प्रौद्योगिकी के पास ऐसा कोई समाधान नहीं है, जो विभिन्न संप्रभु सरकारों को एक ही समय में प्रत्येक क्षेत्र में लागू होने के लिए स्वीकार्य हो। उन्होंने 'मनी एट ए क्रॉसरोडः पब्लिक ऑर प्राइवेट डिजिटल मनी' विषय पर एक चर्चा के दौरान कहा कि इसमें शामिल जोखिमों को अलग-अलग तरीके से देखना होगा, क्योंकि प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए जोखिम भी अलग हो सकते हैं।

सीतारमण ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि नाइजीरिया के लिए विनियमन और जोखिम, एक पर्यटन या निवेश समृद्ध बहामास से अलग होगा। उन्होंने कहा कि धन शोधन का खतरा तब तक बना रहेगा, जब तक क्रिप्टोकरेंसी पर प्रौद्योगिकी को विनियमित करने और समझने के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'बजट 2022-33 में हमने घोषणा की थी, कि इन क्रिप्टो संपत्तियों के लेनदेन से हुई आय पर 30 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। साथ ही प्रत्येक लेनदेन के लिए भी स्रोत पर एक प्रतिशत कर कटौती की जाएगी, ताकि इसके माध्यम से हम यह जान सकें कि इसकी खरीद-बिक्री कौन कर रहा है।'

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने की कवायद जारी, गठित समूह ने अभी मुद्दे पर नहीं किया विचार

नई दिल्ली ।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद द्वारा दरों को युक्तिसंगत बनाने की सरकार की कवायद जारी है पर अभी तक इसके लिए गठित मंत्रियों के एक समूह ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई विचार नहीं किया है। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्मई के नेतृत्व वाले सात सदस्यीय मंत्रियों के समूह की बैठक अगले महीने की शुरुआत में होने की संभावना है। इस समूह में पश्चिम बंगाल, केरल, गोवा, बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के वित्त मंत्री शामिल हैं। सूत्र ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर कहा कि समूह ने जीएसटी के तहत सबसे कम स्लैब को पांच प्रतिशत से बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने का प्रस्ताव नहीं किया है। समूह की किसी भी सिफारिश पर अंतिम फैसला जीएसटी परिषद को करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल हैं। जीएसटी परिषद की बैठक की अभी तक कोई तारीख घोषित नहीं की गई है, लेकिन यह बैठक मई के दूसरे पखवाड़े में हो सकती है। सूत्र ने कहा कि हाल के महीनों में मुद्रास्फीति दर में तेजी के साथ नीति निर्माता जीएसटी दरों में किसी भी बदलाव पर कड़ी नजर रखेंगे। जीएसटी दरों में बढ़ोतरी की स्थिति में महंगाई बढ़ सकती है। जीएसटी के तहत इस समय चार स्लैब हैं- पांच प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। इसके अलावा कीमती धातुओं जैसे कुछ सामानों के लिए विशेष दरें हैं। इससे पहले ऐसी खबरें आ रही थीं कि जरूरी वस्तुओं पर कम कर लगाते हुए पांच प्रतिशत के स्लैब को तीन प्रतिशत और आठ प्रतिशत में तोड़ा जा सकता है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि जीएसटी परिषद की बात छोड़िए, अभी तक तो जीओएम ने भी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर कोई विचार नहीं किया है। सूत्र ने कहा कि दरों में बदलाव करना एक राजनीतिक फैसला है और जब जीएसटी परिषद इस पर विचार करेगी तो इसका राजनीतिक असर भी होगा।

आईएमएफ प्रमुख से मिलीं सीतारमण, वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति के आर्थिक प्रभावों पर की चर्चा

वाशिंगटन ।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जार्जीवा से मुलाकात की और भू-राजनीतिक हालात के असर सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। आईएमएफऔर विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के मौके पर हुई इस भेंट के दौरान आईएमएफ प्रमुख ने भारत के अच्छी तरह से लक्षित नीति का उल्लेख किया, जिसने देश की अर्थव्यवस्था को सीमित वित्तीय साधनों के साथ भी लचीला रहने में मदद की है।

उन्होंने आर्थिक संकट से निपटने के लिए श्रीलंका को भारत द्वारा दी गई मदद की सराहना की और भरोसा दिया कि आईएमएफ श्रीलंका के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर काम करता रहेगा। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव और इसके कारण ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से जुड़ी चुनौतियों के बारे में चिंता जताई।

सीतारमण ने आर्थिक पुनरुद्धार पर भारतीय नीति के संबंध में बताया कि सरकार पूंजीगत व्यय के जरिए आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख संरचनात्मक सुधारों और मजबूत मौद्रिक नीतियों के साथ देश के उदार राजकोषीय रुख ने महामारी से उबरने में मदद की है।

उम्मीद है कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की वृद्धि दर सबसे अधिक रहेगी। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश चालू वित्त वर्ष में 8-8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। सीतारमण ने आईएमएफ-विश्व बैंक की बैठक के मौके पर श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी से भी मुलाकात की और श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक स्थिति तथा चुनौतियों पर चर्चा की।

उन्होंने साबरी को भरोसा दिया कि एक घनिष्ठ मित्र और अच्छे पड़ोसी के रूप में, भारत श्रीलंका को हर संभव मदद देने की कोशिश करेगा। सीतारमण ने इंडोनेशिया की वित्त मंत्री मुल्यानी इंद्रावती के साथ बैठक भी की।

एसबीआई ने ब्याज दर में की 0.1 फीसदी की वृद्धि, बढ़ेगी ईएमआई

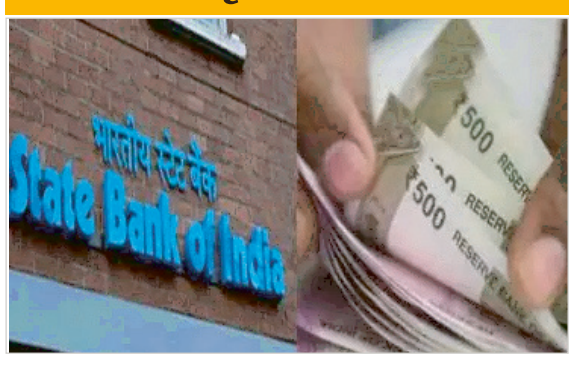

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी सीमांत लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) में 10 आधार अंक (बीपीएस) या 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इस कदम से कर्ज लेने वालों के लिए ईएमआई में वृद्धि होगी। इसके साथ ही आने वाले दिनों में दूसरे बैंकों द्वारा भी उधारी दर में संशोधन किए जाने की संभावना है। एसबीआई के इस फैसले के बाद जिन लोगों ने एमसीएलआर पर कर्ज लिया है, उनकी ईएमआई बढ़ जाएगी।

हालांकि, जिन लोगों ने अन्य मानकों के आधार पर ऋण लिया है, उनकी ईएमआई पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। एसबीआई की ईबीएलआर (वाह्य मानक आधारित उधारी दर) 6.65 प्रतिशत है, जबकि रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) 6.25 प्रतिशत है। यह दर एक अप्रैल से प्रभावी है। आवास और ऑटो ऋण सहित किसी भी प्रकार का ऋण देते समय बैंक ईबीएलआर और आरएलएलआर पर ऋण जोखिम प्रीमियम (सीआरपी) को जोड़ते हैं। एसबीआई की वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार संशोधित एमसीएलआर दर 15 अप्रैल से प्रभावी है। इस संशोधन के साथ एक वर्षीय एमसीएलआर सात प्रतिशत से बढ़कर 7.10 प्रतिशत हो गया है।

ओवरनाइट, एक महीने और तीन महीने की एमसीएलआर 10 बीपीएस बढ़कर 6.75 फीसदी हो गई, जबकि छह महीने की एमसीएलआर बढ़कर 7.05 फीसदी हो गई। ज्यादातर कर्ज एक साल की एमसीएलआर दर से जुड़े होते हैं। इसी तरह दो साल की एमसीएलआर 0.1 प्रतिशत बढ़कर 7.30 प्रतिशत और तीन साल की एमसीएलआर 0.1 प्रतिशत बढ़कर 7.40 प्रतिशत हो गई।

भारत की आवासीय परियोजनाओं के लिए ब्रिटेन-सिंगापुर का संयुक्त उद्यम लाएगा 'इंजीनियर वुड'

सिंगापुर ।

ब्रिटेन-सिंगापुर का एक संयुक्त उद्यम स्टील और कंक्रीट जैसी पारंपरिक निर्माण सामग्री की जगह लकड़ी के इस्तेमाल पर जोर देने और निर्माण कार्य में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आवास परियोजनाओं के लिए 'इंजीनियर वुड' या 'लेमिनेटेड वीनीर लंबर' (एलवीएल) लाने जा रहा है। उद्योग से जुड़े एक विशेषज्ञ ने यह जानकारी दी। 'इंजीनियर वुड' को मिश्रित लकड़ी या मानव निर्मित लकड़ी भी कहा जाता है। 'वेंचरर पीटीई लिमिटेड' के प्रबंध निदेशक केविन हिल ने कहा कि आने वाले महीनों में स्थानीय रूप से प्राप्त लकड़ी के साथ काम करने वाले डिजाइनरों और इंजीनियरों की एक टीम चेन्नई में तैनात की जाएगी। इस कम्पनी की सिंगापुर के 'वोह हूप कंस्ट्रक्शन ग्रुप' के साथ साझेदारी है। हिल ने कहा कि चेन्नई में 'इंजीनियर टिम्बर प्रीफैब्रिकेशन हब' के गठन की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा भारत ने सीओपी26 में सीओ2 उत्सर्जन को कम करने के लिए उच्च लक्ष्य निर्धारित किए हैं और अब सार्वजनिक भवनों तथा आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए लकड़ी के उपयोग की अनुमति दे रहा है। हिल ने कहा ऐसा माना जा सकता है कि भारत लगातार अधिक निर्देशात्मक दृष्टिकोण अपनाएगा, जिससे स्थानीय इंजीनियरों की सैद्धांतिक समझ बढ़ेगी। उन्होंने कहा दुनिया आखिरकार स्वीकार कर रही है कि निर्माण कार्य में उत्सर्जन कम करने के लिए लकड़ी का इस्तेमाल करना एक सबसे महत्वपूर्ण तरीका साबित हो सकता है।

अमित मिश्रा का बड़ा बयान, चहल तोड़ सकते हैं उनकी सबसे ज्यादा हैट्रिक रिकॉर्ड

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सर्वाधिक तीन हैट्रिक लेने वाले अमित मिश्रा को लगता है कि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल उनके रिकार्ड को तोड़ सकते हैं जो सोमवार को इस टी20 लीग में हैट्रिक लेने वाले 18वें गेंदबाज बने। चहल ने राजस्थान रॉयल्स की तरफसे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफमैच में श्रेयस अय्यर, शिवम मावी और पैट कमिन्स को आउट करके हैट्रिक बनाई। यह आईपीएल में 21वां अवसर है जबकि किसी गेंदबाज ने हैट्रिक पूरी की। लेग स्पिनर मिश्रा ने आईपीएल में तीन जबकि युवराज सिंह ने दो बार हैट्रिक बनाई है। मिश्रा ने ट्वीट किया कि प्रिय चहल मैं कल के मैच में आपके शानदार प्रदर्शन और हैट्रिक से वास्तव में खुश हूं। आपने साबित कर दिया कि एक अच्छे लेग ब्रेक गेंदबाज के लिए पिच और परिस्थितियां मायने नहीं रखती। उम्मीद है कि आप आईपीएल में तीन हैट्रिक के मेरे रिकार्ड को तोड़ोगे। मिश्रा ने आईपीएल में 2008 (दिल्ली बनाम डेक्कन चार्जर्स), 2011 (किंग्स इलेवन पंजाब बनाम डेक्कन चार्जर्स) और 2013 (सनराइजर्स हैदराबाद बनाम पुणे वारियर्स) में हैट्रिक बनाई थी। लक्ष्मीपति बालाजी आईपीएल में हैट्रिक पूरी करने वाले पहले गेंदबाज थे। चहल वर्तमान सत्र में हैट्रिक पूरी करने वाले पहले गेंदबाज हैं। उनकी शानदार गेंदबाजी से राजस्थान ने केकेआर को 7 रन से हराया।

आईपीएल : मुम्बई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में आज आमने-सामने होगी दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स

पुणे ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। कोरोना संक्रमण के कारण इस मैच के स्थल को पुणे से बदलकर मुम्बई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में कर दिया गया है। इससे पहले कैपिटल्स टीम के मिचेल मार्श को संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं टीम के फिजियो संक्रमित होने कारण पहले से ही पृथकवास में है हालांकि बाकि खिलाड़ियों की रिपोर्ट निगेटिव आई है , इसलिए बीसीसीआई ने कहा है कि मैच अपने तय समय पर ही होगा।

इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की बराबरी दोवेदार हैं। दिल्ली के पास बल्लेबाजी में कप्तान ऋषभ पंत के अलावा डेविड वॉर्नर, पृथ्वी शॉ और जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। वहीं पंजाब के पास कप्तान मयंक अग्रवाल के अलावा अनुभवी शिखर धवन और जॉनी बेयरस्टो के साथ ही लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ी हैं। दोनों ही टीमों की नजरें इस मैच में जीत हासिल करने पर रहेंगी। पंजाब के कप्तान मयंक अब अपनी चोट से उबरकर इस मैच से वापसी को तैयार हैं। वह फिट नहीं होने के कारण पिछले मैच में नहीं खेले थे। उनकी जगह कप्तानी करते हुए धवन सनराइजर्स के खिलाफ रन नहीं बना पाये थे। अब वह मयंक के साथ एक बार फिर इस मैच में अपनी टीम पंजाब को अच्छी शुरुआत देना चाहेंगे। इस मैच में पंजाब के मध्यक्रम को भी अपनी ओर से योगदान देना होगा। पिछले मैच में जितेश शर्मा ने अच्छे फिनिशर के तौर पर अपने को दिखाया था पर आंकड़ों पर नजर डालें तो लिविंगस्टोन को छोड़कर सनराइजर्स के खिलाफ कोई नहीं चल पाया है। लिविंगस्टोन ने 33 गेंद में 60 रन बनाए। इसके बाद भी पंजाब के लिए जीत दर्ज करन आसान नहीं रहेगा क्योंकि कैपिटल्स की ओर से अभी चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव जबरदस्त फार्म में हैं। कुलदीप ने अबतक 11 विकेट लिए हैं। वहीं अक्षर पटेल और शारदुल ठाकुर के अलावा तेज गेंदबाज खलील अहमद की गेंदबाजी का सामना करना भी पंजाब के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। इस मैच में कैपिटल्स टीम मार्श की जगह तीसरे नंबर पर मनदीप सिंह या सरफराज खान को उतार सकती है।

पंजाब की गेंदबाजी भी अच्छी है। उसके पास कागिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाज हैं। रबाडा के अलावा वैभव अरोड़ा, अर्शदीप सिंह और राहुल चाहर ने भी अबतक अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी ऑलराउंडर ओडियन स्मिथ को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पंजाब ने अब तक छह में से तीन मैच जीते और तीन हारे हैं। वहीं दिल्ली ने पांच में से दो मैच ही जीते हैं ऐसे में उसके लिए इस मैच को जीतना हर हाल में जरुरी है। टीम के पास जिस प्रकार कप्तान ऋषभ के अलावा वॉर्नर और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ी हैं। उसे इस मैच में बड़े स्कोर से रोकना पंजाब के लिए आसान नहीं होगा।

आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची राजस्थान रॉयल्स

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर मिली जीत के साथ ही अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। राजस्थान को 6 मैचों में यह चौथी जीत मिली है और इसके साथ ही टीम आईपीएल 2022 अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं पहले नंबर पर गुजरात टाइटंस की टीम है। केकेआर पर राजस्थान की जीत के बाद तीन टीमें लखनऊ सुपर जायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद एक एक-एक स्थान नीचे आयीं हैं। इसमें लखनऊ दूसरे से तीसरे पर, आरसीबी चौथे पर और हैदराबाद 5वें नंबर पर पहुंच गई है जबकि हार के बाद भी केकेआर छठे स्थान पर बनी हुई है। इसके बाद पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का नंबर है। वहीं आईपीएल की 2 सबसे सफल टीम सीएसके और मुंबई इंडियंस 9वें और 10वें स्थान पर आई है। दोनों ही टीमें प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर हैं।

वहीं ऑरेज कैप की दौड़ में राजस्थान के जोस बटलर सबसे आगे हैं। बटलर ने केकेआर के खिलाफ शतक लगाय था। बटलर ने 6 मैचों में 375 रन बनाये हैं। उन्होंने आईपीएल के इस सत्र में 2 शतक भी लगाये हैं। वहीं ऑरेंज कैप की दौड़ में केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर दूसरे स्थान पर हैं। अय्यर ने 7 मैचों में 236 रन बनाये हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने के कारण पर्पल कैप की दौड़ में राजस्थान के युजवेंद्र चहल नंबर एक पर है। चहल ने केकेआर के खिलाफ हैट्रिक बनाने के साथ ही कुल 5 विकेट लिए थे। इससे 6 मैचों में उनके कुल 17 विकेट हुए हैं।

22 से शुरु होगा आईलीग फुटबाल का दूसरा चरण, 2 साल बाद दर्शकों को मिली स्टेडियम में प्रवेश की मंजूरी

नई दिल्ली।

आई-लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के 2021-22 सत्र का दूसरा चरण 22 अप्रैल से कोलकाता में शुरू होगा। इस दौरान, दो साल बाद, स्टेडियम के चुनिंदा स्टैंड और क्षेत्रों में दर्शकों को आने की अनुमति दी गई है। कोरोना महामारी के कारण दर्शकों के स्टेडियम आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। दो साल में यह पहली बार होगा जब आई-लीग मैचों के दौरान दर्शक स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। यह मैच तीन स्थानों कल्याणी म्युनिसिपल स्टेडियम, नैहाटी स्टेडियम और मोहन बागान मैदान में खेले जाएंगे। आई-लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनंदो धर ने अपने बयान में बताया पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य मापदंडों को देखते हुए हीरो आई-लीग 2021-22 के लिए स्टेडियमों में प्रशंसकों को चयनित स्टैंडों और क्षेत्रों में अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम हालांकि नियमित आधार पर स्थिति की लगातार समीक्षा करेंगे और संबंधित अधिकारियों द्वारा तय स्वास्थ्य मानकों के अनुसार कार्य करेंगे।

भारत के डी गुकेश नें जीता ला रोडा इंटरनेशनल शतरंज 2022 का खिताब

ला रोडा ,स्पेन (निकलेश जैन)

भारत के 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें स्पेन के ला रोडा इंटरनेशनल शतरंज के आखिरी राउंड मे इज़राइल के ग्रांड मास्टर विक्टर मिखालेव्सकी विक्टर को पराजित करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया । 9 राउंड के बाद 7 जीत और 2 ड्रॉ से गुकेश नें कुल 8 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया ,इस जीत से गुकेश नें अब लाइव विश्व रैंकिंग मे पहली बार 2648 अंको के साथ टॉप 100 में प्रवेश कर गए है । अंतिम राउंड मे पहले बोर्ड पर गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए इंग्लिश ओपनिंग मे मात्र 26 चालों मे विक्टर को हार मानने को मजबूर कर दिया ।

वही दूसरे बोर्ड पर भारत के आर प्रग्गानंधा और टॉप सीड अर्मेनिया के हैक मार्टीरोस्यन के बीच अंतिम राउंड में जोरदार मुक़ाबला हुआ , सफ़ेद मोहरो से खेल रहे प्रग्गानंधा नें निमजो इंडियन ओपनिंग मे बहुत ज़ोर लगाया पर हाथी के एंडगेम में बाजी 37 चालों के बाद ड्रॉ पर छूटी । 7.5 अंक बनाकर हैक दूसरे तो 7 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर प्रग्गानंधा तीसरे स्थान पर रहे ।

संक्षिप्त समाचार

पुणे की जगह मुम्बई में खेला जाएगा कैपिटल्स और किंग्स का मुकाबला : बीसीसीआई

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिल्ली कैपिटल्स के एक खिलाड़ी और फिजियो के कोरोना संक्रमित होने के कारण अब आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ बुधवार को होने वाले कैपिटल्स के मुकाबले को पुणे की जगह मुम्बई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही आयोजित करने की घोषणा की है। यह मैच अपने तय समय पर होगा केवल मैच स्थल को पुणे की जगह मुम्बई किया गया है ताकि खिलाड़ियों को यात्रा से बचाया जा सके। इससे इसे कैपिटल्स की टीम में शामिल ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल मार्श को कोरोना संक्रमित होने के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। बीसीसीआई ने कहा कि पंजाब और दिल्ली के बीच बुधवार को पुणे में मुकाबला होना था पर मार्श, फिजियो पैट्रिक फारहार्ट और डॉक्टर साल्वी के कोरोना संक्रमित होने की वजह से इस मुकाबले पर संशय छा गया था जिसके बाद बीसीसीआई ने इसे मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में कराने का फैसला लिया है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस समय मुंबई में ही है और उसे सोमवार को पुणे के लिए रवाना होना था पर संक्रमण के बाद टीम को रोक दिया गया था। इसके बाद हुए आरटीपीसीआर टेस्ट में सभी खिलाड़ी निगेटिव भी पाये गये थे पर बाद में मार्श में कोरोना के लक्षण दिखने लगे।

चहल की गेंदबाजी से प्रभावित हुए मलिंगा

मुंबई । राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा ने स्पिनर युजवेंद्र चहल की जमकर प्रशंसा की है। चहल ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हैट्रिक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। चहल ने चार ओवर में 40 रन देकर पांच विकेट लेकर मैच का रुख अपनी टीम की ओर कर दिया। मलिंगा ने मैच के बाद कहा कि चहल के पास काफी अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। वह देश का सबसे अनुभवी लेग स्पिनर है। उसने बताया कि कैसे नियंत्रित गेंदबाजी की जाती है। उसने दिखाया है कि वह किसी भी स्तर का प्रतिस्पर्धी कर सकता है। लेग स्पिनर के पास विकेट लेने के विकल्प अधिक होते हैं। उसने आज दिखा दिया कि वह कैसे विकेट लेकर मैच में बदलाव ला सकता है। उसने सभी लेग स्पिनरों को बताया है कि वे भी मैच विजेता बन सकते हैं। वहीं केकेआर के कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने कहा कि उनकी टीम के पास जीत का अच्छा अवसर था पर बटलर और चहल ने बाजी पलट दी। उन्होंने कहा कि आप चहल जैसे बेहतरीन खिलाड़ी को दबाव में नहीं ला सकते।

टी20 विश्वकप में यह खिलाड़ी निभा सकता फिनिशर की भूमिका : सुनील गावस्कर

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में शानदार लय में चल रहे दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी से प्रभावित होकर पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि यह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आगामी टी20 विश्व कप भारतीय टीम के लिए फिनिशर (निचले मध्यक्रम में आखिरी ओवरों का बल्लेबाज) की भूमिका निभा सकते है। कार्तिक मौजूदा सत्र में अपनी नयी टीम के लिए बेखौफ होकर रन बना रहे है। कोलकाता नाइट राइडर्स के इस पूर्व कप्तान ने इस सत्र में 32, 14, 44, 7, 34 और 66 रन की पारियां खेली है जिस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 209.57 और औसत 197 का रहा है। गावस्कर ने कहा कि उन्होंने कहा कि वह टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आप उसकी उम्र को मत देखो, बस यह देखो कि वह किस तरह की पारियां खेल रहा है। कार्तिक ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 34 गेंद में नाबाद 66 रन की पारी खेलकर मैच का रुख मोड़ दिया था। उन्होंने इस दौरान अनुभवी मुस्ताफिजूर रहमान और भारत के युवा तेज गेंदबाज खलील अहमद के खिलाफ आसानी से रन बनाए। इस मैच में टीम ने मुश्किल परिस्थितियों से उबर कर पांच विकेट पर 189 रन बनाने के बाद 16 रन से जीत दर्ज की और कार्तिक मैन ऑफ द मैच बने। गावस्कर ने कहा कि उसने अपने प्रदर्शन से मैच का रुख मोड़ दिया।

वह वैसा ही काम कर रहा है जैसा कि छठे या सातवें क्रम के बल्लेबाज से टी20 विश्व कप (अक्टूबर-नवंबर 2022) में उम्मीद की जाएगी। कार्तिक ने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 32 टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है। इस 36 साल के खिलाड़ी ने भारत के लिए अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

लय बरकरार नहीं रखने के कारण हारे : श्रेयस

मुंबई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के हाथों मिली करारी हार से केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर निराश हैं। अय्यर के अनुसार उनकी टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की थी पर वह लय कायम नहीं रख पाये। इसी कारण उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। रॉयल्स के 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर की टीम 19.4 ओवर में 210 रन ही बना पायी। रॉयल्स ने इससे पहले जोस बटलर की 103 रनों की शतकीय पारी के अलावा देवदत्त पडिक्कल 24 के साथ पहले विकेट के लिए 97 और कप्तान संजू सैमसन 38 के साथ दूसरे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की सहायता से पांच विकेट पर 217 रन बनाए थे। अय्यर ने कहा, 'फिंच की अच्छी बल्लेबाजी के कारण हम शुरुआत से ही तेज गति से रन बना रहे थे पर हम इस लय को कायम नहीं रख पाए, हालांकि यह खेल का ही एक हिस्सा है। मैं अंत तक बल्लेबाजी करना चाहता था पर रॉयल्स के यजुवेन्द्र चहल की कसी हुई गेंदबाजी से मैच में बदलाव आ गया।

हरभजन ने उमरान को मैच विजेता खिलाड़ी बताया

मुंबई । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में शामिल जम्मू-कश्मीर के युवा गेंदबाज उमरान मलिक ने अपने अच्छे प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। उमरान अपनी तेज गेंदबाजी के कारण विरोधी टीम के बल्लेबाजों की परेशानियों का कारण बने हैं। इस गेंदबाज ने कई बार 150 से ज्यादा की तेजी से गेंदें फेंकी हैं। इस प्रकार की गेंदबाजी से हरभजन बेहद प्रभावित हैं। भज्जी ने उमरान को एक मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया है। हरभजन के अनुसार जम्मू-कश्मीर के इस गेंदबाज को इस साल ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में स्थान मिलना चाहिये। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच में उमरान ने बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए। उन्होंने अपनी दमदार गेंदबाजी से पंजाब को 151 रनों पर ही रोक दिया। वह आईपीएल के इतिहास में 20वें ओवर में बिना कोई रन दिए 3 विकेट लेने वाले विश्व के तीसरे गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले लसिथ मलिंगा और जयदेव उनादकट ने यह उपलब्धि हासिल की थी। हरभजन ने कहा, ' उमरान को जल्द ही टीम इंडिया की जर्सी मिलनी चाहिए। वह टी-20 विश्व कप टीम का हिस्सा बनने के लिए सबसे योग्य खिलाड़ियों में से एक है।

महज 5 साल की उम्र में अंजू बॉबी जॉर्ज बन गई थी एथलीट

निधि अविनाश

अंजू का जन्म केरल के कोट्टायम के चीरनचिरा गांव में एक रूढ़िवादी परिवार के घर में हुआ था। उन्हें एथलेटिक्स में उनके पिता लेकर आए थे। अंजू ने अपनी स्कूली शिक्षा सीकेएम कोरुथोड स्कूल में की और विमला कॉलेज त्रिशूर में अपनी ग्रेजुएशन पूरी की। भारत की पहली और एकमात्र एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज देश के ट्रैक और फील्ड इतिहास में एक विशेष स्थान रखती हैं। दो बार की ओलंपियन के नाम भारत की महिलाओं की लंबी कूद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। जो चीज उनकी उपलब्धियों को और भी उल्लेखनीय बनाती है, वह यह है कि उनकी केवल एक ही किडनी है। 19 अप्रैल, 1977 को केरल के कोट्टायम में जन्मीं अंजू बॉबी जॉर्ज 100 मीटर बाधा दौड़, रिले, लंबी कूद और ऊंची कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली एक ऑलराउंडर है, जिसने लगातार कई पदक जीते है।अंजू बॉबी जॉर्ज ने साल 2003 में पेरिस में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लंबी कूद में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। इस उपलब्धि के साथ ही, वह 6.70 मीटर कूदते हुए एथलेटिक्स में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं। उन्होंने 2005 में आईएएएफ वर्ल्ड एथलेटिक्स फ़ाइनल में स्वर्ण पदक जीता। अंजू का जन्म केरल के कोट्टायम के चीरनचिरा गांव में एक रूढ़िवादी परिवार के घर में हुआ था। उन्हें एथलेटिक्स में उनके पिता लेकर आए थे। अंजू ने अपनी स्कूली शिक्षा सीकेएम कोरुथोड स्कूल में की और विमला कॉलेज त्रिशूर में अपनी ग्रेजुएशन पूरी की। 1991-92 में स्कूल एथलेटिक मीट में, उन्होंने 100 मीटर बाधा दौड़ और रिले जीती और लंबी कूद और ऊंची कूद स्पर्धाओं में दूसरे स्थान पर रही। अंजू की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्कूल खेलों में देखा गया जहां उन्होंने 100 मीटर बाधा दौड़ और 4 म 100 मीटर रिले में तीसरा स्थान हासिल किया। बता दें कि दिग्गज भारतीय महिला एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज को वर्ल्ड एथलेटिक्स ने वुमेन ऑफ दे ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया है। अंजू वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली भारत की पहली और इकलौती एथलीट हैं। उन्होंने साल 2003 में इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप के लॉन्ज जंप स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। इसके अलावा उन्होंने मोनाको में 2005 में आईएएएफ वर्ल्ड एथलेटिक्स फाइनल्स में भी गोल्ड मेडल हासिल किया था। अंजू की शादी रॉबर्ट बॉबी जॉर्ज से हुई है, जो ट्रिपल जंप में पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन हैं और उनके कोच भी हैं।

सहवाग ही मेरी गेंदबाजी का सही से सामना कर पाये - नरेन

मुंबई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के रहस्यमयी स्पिनर सुनील नरेन ने कहा है कि अब तक केवल वीरेंद्र सहवाग ही उनकी गेंदबाजी को अच्छे तरीके से खेल पाये हैं। नरेन के अनुसार सहवाग एक ऐसे व्यक्ति थे जिसने हमेशा खेल को जारी रखा, चाहे टीम किसी भी स्थिति में हो, वह उसी तरह से बल्लेबाजी करते रहे जैसा उन्होंने की पहले की थी। नरेन सत्र में अब तक केकेआर के सबसे किफायती गेंदबाज के रूप में उभरा है, जिसमें प्रति ओवर लगभग पांच रन की इकॉनमी है। उन्होंने इस सीजन में किसी भी गेंदबाज के लिए न्यूनतम 15 ओवर फेंकने के लिए दूसरी सबसे कम सीमाएं भी स्वीकार की हैं। वहीं यह पूछे जाने पर कि वह आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत करने वालों को वह कैसे अपनी गेंदों से परेशान करते हैं तो इस गेंदबाज ने कहा कि यह मूल रूप से चीजों को सरल रखने के लिए है। अगर मैं एक अच्छी गेंद फेंकता हूं और बल्लेबाज उस पर छक्का लगाता है, तो मैं बहुत ज्यादा पढ़ने की कोशिश नहीं करता। मैं शायद एक ही गेंद फेंकने की कोशिश करता हूं क्योंकि बल्लेबाज लगातार एक ही शॉट नहीं लगाते हैं, वे कुछ और कोशिश करते हैं। मैं अपनी गेंदबाजी को जितना हो सके सरल रखने का प्रयास करता हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

सार समाचार

दो दिवसीय भारत दौरे पर आएंगी यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष, पीएम मोदी के साथ होगी द्विपक्षीय वार्ता

नयी दिल्ली। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत की आधिकारिक यात्रा पर आने वाली हैं। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 24 और 25 अप्रैल को दो दिवसीय भारत यात्रा पर आने वाली हैं। इस दौरान वो राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात करेंगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक, विदेश मंत्रालय ने बताया कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। अपनी यात्रा के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष को रायसीना डायलॉग के इस साल के संस्करण के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है और वह 25 अप्रैल को उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और यूरोपीय संघ एक जीवंत रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं जो राजनीतिक और सामरिक, व्यापार और वाणिज्य, जलवायु और स्थिरता, डिजिटल और प्रौद्योगिकी पहलुओं के साथ-साथ लोगों से लोगों के संबंधों में व्यापक और गहन सहयोग के साथ मजबूत विकास देख रहा है।

सोमवार आधी रात से बढ़ी ईंधन की कीमत, यहां 338 रुपये प्रति लीटर हुई पेट्रोल की कीमत

कोलंबो। श्रीलंका की सरकारी तेल कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने सोमवार आधी रात से ईंधन की कीमत बढ़ा दी हैं। इससे पहले इंडियन ऑयल के स्थानीय परिचालन ने कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की थी। गौरतलब है कि श्रीलंका भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और ताजा फैसले से आम लोगों की परेशानी बढ़ेगी। सीपीसी ने 92 ऑक्टेन पेट्रोल की कीमत 84 रुपये बढ़ाकर 338 रुपये प्रति लीटर कर दी है। यह कीमत अब श्रीलंकाई भारतीय तेल कंपनी (एलआईओसी) की प्रति लीटर कीमत के बराबर हो गई है। सीपीसी एक महीने में दो बार दाम बढ़ा चुकी है।

शंघाई में कोरोना से सात और मरीजों की मौत, दो दिन में गई10 लोगों की जान

बीजिंग। चीन के सबसे बड़े शहर एवं वैश्विक वित्तीय केंद्र शंघाई में कोविड-19 के कारण सात और लोगों की मौत हो गयी है। चीन में इस महामारी के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,648 पहुंच गयी है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक देश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 21,400 नये मामले सामने आए, जिसमें अधिकतर मामले शंघाई में दर्ज किए गए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की ओर से मंगलवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक शंघाई में सोमवार को सात लोगों की संक्रमण से मौत हो गयी। इससे पहले रविवार को तीन मरीजों की मौत हुई थी। चीन में बीते 24 घंटे के दौरान स्थानीय स्तर परकोरोना वायरस संक्रमण के 3,297 नये मामले दर्ज किए गए, जिसमें से केवल शंघाई में ही 3,084 नये मामले सामने आए। करीब 2.6 करोड़ की आबादी वाले शंघाई में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के कारण संक्रमितों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक चीन में बीते 24 घंटे के दौरान स्थानीय स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के 18,187 ऐसे मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें बीमारी का कोई लक्षण मौजूद नहीं था। चीन में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 30,384 बनी हुई है।

जापान घातक सामग्री से बचाव करने वाला गैस मास्क, हैजमैट सूट यूक्रेन को भेजेगा

टोक्यो । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूसी हमलों को लगातार झेल रहा है। रूसी सेना द्वारा रासायनिक हथियार के इस्तेमाल की बढ़ती चिंताओं के बीच जापान यूक्रेन को गैस मास्क, हैजमैट सूट (हैजर्डस मैटिरियल यानी खतरनाक सामग्री से बचाव करने वाला सूट) और ड्रोन भेजेगा। जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशि ने मंगलवार को बताया कि जापान यूक्रेन सरकार के अनुरोध पर रसायन रोधी आयुध उपकरण भेज रहा है। जापान ने यूक्रेन को पिछले महीने बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट और अन्य गैर घातक हथियार उपकरण भेजे थे। जापान अन्य देशों को हथियार निर्यात नहीं करता है, लेकिन उसने यह कहकर यूक्रेन को छूट दी कि उस पर हमला किया गया है। यह खेप भेजे जाने के कारण जापान में विवाद खड़ा हो गया है, जिसका शांतिवादी संविधान युद्ध से दूर रहने की बात करता है। किशि ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करना और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाले रूस के हमले के खिलाफ कड़ा कदम उठाना, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी बहुत महत्वपूर्ण है।'

जापानी द्वीपों के पास गश्त कर रहे चीन के तटरक्षक जहाज, दहशत में मछुआरे

टोक्यो (ईएमएस)। जापान के मछुआरे ज्यादातर मछली पकड़ने के लिए जापानी द्वीप योनागुनी से दूर उत्तर की ओर गहरे समुद्र में जाते हैं। यहां इन्हें रेड स्नैपर मिलती है जो गहरे पानी में पाई जाती है। यहां मछलियां बहुत अधिक मात्रा में हैं और लगातार बढ़ रही हैं। मछलियों के साथ-साथ द्वीप के पास चीनी तट रक्षक जहाज भी बढ़ रहे हैं। जापान के नियंत्रण वाले सेनकाकू द्वीप समूह के आसपास चीनी जहाजों की गश्त बढ़ गई है। सेनकाकू निर्जन द्वीपों की एक श्रृंखला है जिस पर चीन और ताइवान भी अपना दावा करते हैं। चीन में इसे दिआओयु द्वीप समूह और ताइवान में दिआओयुताई कहते हैं। यह द्वीप समूह क्षेत्र में बढ़ते तनाव का प्रमुख केंद्र बन चुका है। 50 साल के मछुआरे कजुशी किनजो ने चीनी तट रक्षक जहाजों के साथ अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि उनमें से एक जहाज का निशाना हमारी तरफ था और वे हमारा पीछा कर रहे थे। मैं पक्के तौर पर तो नहीं जानता लेकिन मैंने उन पर तोपों जैसा कुछ देखा था। पर्वतीय श्रृंखला को लेकर क्षेत्रीय विवाद एक शताब्दी से भी अधिक पुराना है। लेकिन हालिया दशकों में चीन ने द्वीप समूह के आसपास अपनी उपस्थिति को बढ़ा दिया है। इससे यह आशंका पैदा हो गई है कि बीजिंग विवादित द्वीपों पर एकबार फिर अपना दावा करेगा। चीन के विदेश मंत्रालय ने बताया कि द्वीपों के आसपास समुद्र में चीनी तटरक्षक बलों की गश्त 'चीन के संप्रभु अधिकार का एक हिस्सा' थी। वहीं जापान का दावा है कि इन द्वीपों पर उसका संप्रभु अधिकार है। जापान योनागुनी और नानसेई श्रृंखलाओं पर अपनी सैन्य ताकतों को बढ़ा रहा है। इससे किनजो जैसे स्थानीय नागरिक चिंतित हैं क्योंकि उन्हें चीन के इरादे पता हैं। ये द्वीप ताइपान के तट से सिर्फ 110 किमी की दूरी पर स्थित हैं।

मरियापोल में रहवासी क्षतिग्रस्त घरों के सामने बैठे हुए।

रूसी सेना ने पूर्वी मोर्चे पर शुरू किया बड़ा जमीनी हमला : यूक्रेन

कीव । रूसी सेना ने मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन में देश के औद्योगिक गढ़ पर नियंत्रण करने के लिए जमीनी स्तर पर बड़ा हमला शुरू किया है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने मंगलवार तड़के कहा कि रूसी सेना ने डोनबास क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। जनरल स्टाफ ने एक बयान में कहा कि कब्जा करने वालों ने सीमा पर लगे हमारे सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश की। हमले सोमवार को 300 मील से अधिक लंबे मोर्चे पर किए गए, उनका लक्ष्य लुहांस्क और डोनेट्स्क क्षेत्र हैं। रूसी सेना पड़ोसी खारकीव सहित कई क्षेत्रों में आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है। जनरल स्टाफ ने बताया कि दक्षिणी डोनेट्स्क में रूसी सेना ने रणनीतिक बंदरगाह शहर मारियुपोल की नाकाबंदी और गोलाबारी जारी रखी है और अन्य शहरों में भी मिसाइल दाग रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने पूर्वी यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए हमला शुरू कर दिया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा अब हम बता सकते हैं कि रूसी बलों ने डोनबास के लिए युद्ध आरंभ कर दिया है। इस अभियान में पूरी रूसी सेना का एक बड़ा हिस्सा लगाया गया है। मॉस्को समर्थित अलगाववादी आठ साल से ज्यादातर रूसी भाषी डोनबास में यूक्रेनी सेना से लड़ रहे हैं और उन्होंने दो स्वतंत्र गणराज्यों की घोषणा की है जिन्हें रूस ने मान्यता दी है। रूस ने डोनबास पर कब्जा करना युद्ध में अपना मुख्य लक्ष्य घोषित कर दिया है क्योंकि राजधानी कीव को जब्त करने का उसका प्रयास विफल हो गया है।

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में न्यूयॉर्क में 'इंडिया एट 75' कार्यक्रम का आयोजन

न्यूयॉर्क(एजेंसी)

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां भारत का महावाणिज्य दूतावास शहर के सांस्कृतिक संगठन और बच्चों के एक संग्रहालय के सहयोग से एक सप्ताह लंबे 'इंडिया एट 75' कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इसमें भारतीय इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक चित्रकला, संगीत और कथावाचक सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 'द कल्चर ट्री' ने एक बयान में बताया कि न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास, द कल्चर ट्री और चिल्ड्रन म्यूज़ियम ऑफ मैनहट्टन (सीएमओएम) ने सोमवार को विशेष कार्यक्रमों और गतिविधियों की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य नृत्य, संगीत, साहित्य, कला आदि के माध्यम से भारत और उसके लोगों की विविधता का जश्न मनाना है।

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विश्वव्यापी उत्सव 'इंडिया एट 75' का न्यूयॉर्क में शुभारंभ करते हुए महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल ने कहा हम भारत के एक उत्सव का जश्न न्यूयॉर्क में सभी बच्चों और उनके परिवारों के साथ मनाने को लेकर उत्साहित हैं। हम भारत की स्वतंत्रता, संस्कृति और उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस खास वर्ष में भारत का जश्न मनाने के लिए 'चिल्ड्रन म्यूजियम' और 'द कल्चर ट्री' के साथ साझेदारी की भी सराहना की।

'द कल्चर ट्री' के संस्थापक एवं अध्यक्ष अनु सहगल ने कहा, इस तरह के आयोजनों के माध्यम से हम एक-दूसरे की संस्कृति के बारे में जान पाते हैं, जिससे हमें एक खुले विचार वाला एवं सम्मानजनक शख्स बनने में मदद मिल सकती है। साथ ही, इससे प्रवासी बच्चे और परिवार अपनी विरासत से जुड़ सकते हैं और उसका जश्न मना सकते हैं। सीएमओएम में निदेशक डेविड रोइज ने कहा 'इंडिया एट 75' जैसे कार्यक्रमों तथा हमारे कई अन्य समारोह से परिवारों को अपनी सांस्कृतिक प्रथाओं को साझा करने और अपने दोस्तों एवं पड़ोसियों के बारे में जानने का अद्भुत अवसर मिलता है। इन कार्यक्रमों का आयोजन 24 अप्रैल तक किया जाएगा।

फलस्तीनी लड़ाकों ने इजरायल में दागा रॉकेट, हमास विद्रोहियों को ठहराया जिम्मेदार

यरुशलम। (एजेंसी)

फलस्तीनी लड़ाकों ने सोमवार को पहली बार दक्षिणी इजराइल में एक रॉकेट दागा। यरुशलम में एक संवेदनशील पवित्र स्थल पर सप्ताहांत में संघर्ष के बाद यह कार्रवाई की गई है। इजराइल ने बताया कि उसने रॉकेट को बीच में मार गिराया और तत्काल किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। इजराइल ऐसे सभी रॉकेट हमलों के लिए गाजा के हमास विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराता है और आमतौर पर उन्हें निशाना बनाकर हवाई हमले भी करता है। नव वर्ष की पूर्व संध्या के बाद दागा गया यह पहला रॉकेट है। हालांकि, किसी फलस्तीनी संगठन ने अभी तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। इजराइल की सेना ने बताया कि मंगलवार तड़के इजराइली लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी गाजा पट्टी में हमास के 'हथियार निर्माण स्थल' को निशाना बनाते हुए कई हवाई हमले किए। किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। रॉकेट हमले से पहले प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने सोमवार को कहा था कि इजराइल 'हमास के नेतृत्व वाले अभियान' को निशाना बना रहा रहा है। गौरतलब है कि यरुशलम के संवेदनशील धार्मिक स्थल अल-अक्सा मस्जिद परिसर में और उसके आसपास सप्ताहांत में फलस्तीनियों के साथ इजराइल पुलिस की झड़प हो गई थी। अल-अक्सा मस्जिद को इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल माना जाता है। यह यहूदियों का सबसे पवित्र स्थल भी है, जिसे समुदाय के लोग 'टेंपल माउंट' कहकर पुकारते हैं। अल-अक्सा मस्जिद लंबे समय से इजराइल-फलस्तीनी विवाद का केंद्र रही है।

स्कूलों को निशाना बनाकर किए गए सीरियल ब्लास्ट से दहला काबुल, कई लोगों के हताहत होने की आशंका

इस्लामाबाद (एजेंसी)

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सिलसिलेवार बम धमाको की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की आशंका है। अफगान सुरक्षा और स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार पश्चिमी काबुल में एक हाई स्कूल में हुए तीन धमाकों की वजह से कई लोगों के मारे जाने की खबर है। यहां के कई निवासी शिया हजारा समुदाय के हैं जिन्हें एक जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यक माना जाता है। इन्हेंसे अक्सर इस्लामिक स्टेट सहित सुन्नी आतंकवादी समूहों द्वारा निशाना बनाया जाता रहा है।

पुलिस का बयान

काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जरदान ने कहा कि हाई स्कूल में तीन विस्फोट हुए हैं। शहर के आपातकालीन अस्पताल के अनुसार धमाके काबुल के पास दश्त-ए-बारची में अब्दुल रहीम शहीद हाई स्कूल के पास और एक शैक्षणिक केंद्र के अंदर हुए, जहां परीक्षाएं चल रही थीं। किसी संगठन ने धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है। अतीत में इस्लामिक स्टेट इस इलाके में हमले करता रहा है।

कब-कब हुए हमले

गौरतलब है कि इससे पहले भी अप्रैल की शुरूआत में काबुल में स्थित सबसे बड़ी मस्जिद में दोपहर की नामज के दौरान हथगोला फेंका गया था। जिसके फटने से छह लोग घायल हो गए थे। स्कूलों को काबुल में इससे पहले भी निशाना बनाया जा चुका है। 8 मऊ 2021 को स्कूल के पास किए गए ब्लास्ट में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी व 100 लोग घायल हो गए थे। वहीं 14 नवंबर को काबुल के शिया इलाके में धमाके से छह लोगों की मौत हुई थी।

अमेरिका लगाने जा रहा इसपर रोक, रूस और चीन की तीखी आलोचना के साथ जो बाइडेन प्रशासन का बड़ा ऐलान

वाशिंगटन। (एजेंसी)

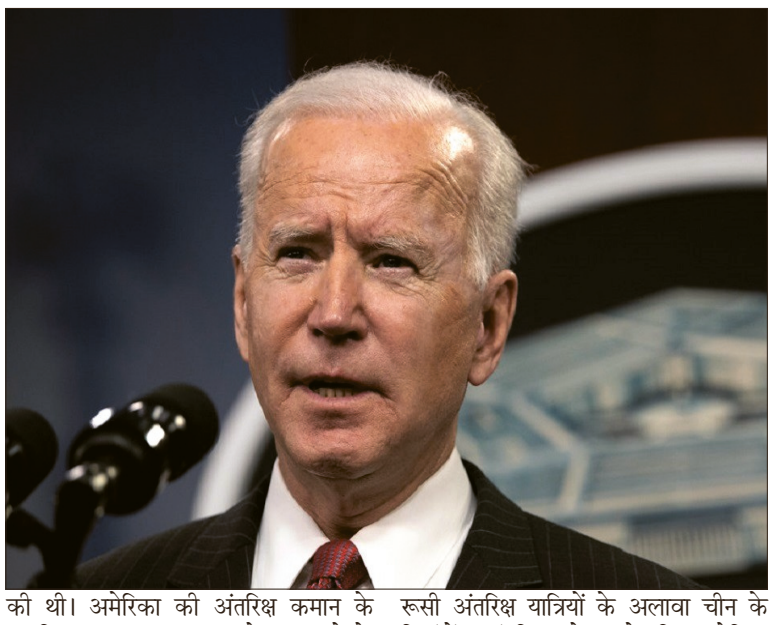

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने घोषणा की है कि वह अमेरिका द्वारा उपग्रह रोधी मिसाइलों के परीक्षण पर रोक लगा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस के अधिकारियों का कहना है कि यह कदम अंतरिक्ष में सैन्य कार्रवाई के लिए नये मानदंड स्थापित करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। दरअसल, अमेरिका उपग्रह रोधी मिसाइल परीक्षण करने के लिए रूस और चीन की तीखी आलोचना करता रहा है। अमेरिका ने हालांकि 14 साल पहले एक खराब जासूसी उपग्रह को नष्ट करने के लिए अपनी नौसेना के युद्धपोत से एक मिसाइल दागी थी।

अमेरिका का यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि रूस ने सोवियत काल के एक निष्क्रिय उपग्रह को नष्ट करने के लिए नवंबर में एक मिसाइल दागी थी। रूस के इस कदम के बाद अंतरिक्ष के सैन्यीकरण पर बहस काफी तेज हो गयी थी। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने रूसी कदम को ह्लगैर-जिम्मेदाराना कार्रवाईह्व बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की थी। अमेरिका की अंतरिक्ष कमान के मुताबिक रूस द्वारा उपग्रह को नष्ट करने के तहत दागी गई मिसाइल के कारण अंतरिक्ष मलबे के 1,500 से अधिक टुकड़े पैदा हुए थेजिसके परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सवार अमेरिकी और रूसी अंतरिक्ष यात्रियों के अलावा चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए जोखिम बढ़ गया था। गौरतलब है कि उपग्रह रोधी मिसाइलों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करने वाला अमेरिका दुनिया का पहला देश है।

यूक्रेन में रूसी सेनाओं का हो रहा धीरे-धीरे कब्जा, अब क्रेमिन्ना की गलियों में घुसी

कीव (यूक्रेन)। (एजेंसी)

रूसी सैनिक अब क्रेमिन्ना कस्बे की गलियों तक पहुंच गए हैं और इसके चलते बचाव अभियान असंभव हो गया है। यूक्रेन की सेना के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया क्रेमिन्ना उन दो कस्बों में से एक है, जहां रूसी बल सोमवार को घुसने में सफल रहे। लुहांस्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासक सेरही हैदाई ने कहा कि कस्बे पर देर रात भारी गोलाबारी की गई, सात आवासीय इमारतों को आग लगा दी गई और ह्यओलंपसह्न खेल परिसर को निशाना बनाया गया। इस परिसर में देश की ओलंपिक टीम के खिलाड़ियों का प्रशिक्षण होता है। - रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध संबंधी अन्य अहम घटनाक्रम कीव- यूक्रेनी अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि रूसी सेना 300 मील (480 किलोमीटर) से अधिक दूरी के मोर्चे पर हमला कर रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बल लुहांस्क और दोनेत्स्क क्षेत्रों में हमला कर रहे है। ये क्षेत्र डोनबास और जपोरज़िया दोनों का हिस्सा हैं। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव ओलेकसिय डानोलिव ने कहा, 'आक्रमणकारियों ने हमारी रक्षा पंक्ति को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन हमारी सेना डटी हुई है। वे केवल दो शहरों क्रेमिन्ना और एक अन्य छोटे शहर में घुसने में सफल रहे।' उन्होंने कहा, 'हम अपने किसी क्षेत्र में हार नहीं मानेंगे।' रूस ने ल्वीव और यूक्रेन के अन्य क्षेत्रों में भी बमबारी की।

रूसी सेना ने कहा कि उसकी मिसाइलों ने पिछले दिनों पूर्वी और मध्य यूक्रेन में 20 से अधिक सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया - जिसमें गोला-बारूद डिपो, कमान मुख्यालय और सैनिकों और वाहनों के समूह शामिल थे। इस बीच, इसने कहा कि तोपखाने ने अन्य 315 यूक्रेनी लक्ष्यों को निशाना बनाया और युद्धक विमानों ने यूक्रेनी सैनिकों और सैन्य उपकरणों पर 108 हमले किए। दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। - कीव- नेशनल गार्ड की अजोव रेजीमेंट के कमांडर डेनिस प्रोकोपेंको ने सोमवार को कहा कि रूस ने मारियुपोल इस्पात संयंत्र पर बमबारी की, जहां यूक्रेनियों ने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। प्रोकोपेंको ने सोमवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि आम नागरिक संयंत्र की सुरंगों में शरण ले रहे हैं, इसके बावजूद बमबारी जारी है। रूस ने अनुमान लगाया कि 2,500 यूक्रेनी सैनिक और भाड़े के लगभग 400 विदेशी सैनिक संयंत्र में हैं। यूक्रेन ने अनुमान लगाया कि मारियुपोल में 21,000 लोगों की मौत हो गई है। - कीव- यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने पूर्वी यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए हमला शुरू कर दिया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा, 'अब हम बता सकते हैं कि रूसी बलों ने डोनबास के लिए युद्ध आरंभ कर दिया है। पूरी रूसी सेना का एक बड़ा हिस्सा इस हमले पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।'

संयुक्त राष्ट्र-संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के अवर महासचिव मार्टिन ग्रिफिथ्स ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यूक्रेन में अभी समय नहीं आया है कि मानवीय मदद हासिल करने के लिए संघर्ष विराम किया जा सके, लेकिन उन्होंने भविष्य में ऐसा होने की उम्मीद जताई। बर्लिन- जर्मनी के नियोक्ताओं और संघों ने यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस से प्राकृतिक गैस आयात करने पर यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए तत्काल प्रतिबंध का मिलकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे कारखाने बंद हो जाएंगे और लोग बेरोजगार हो जाएंगे। -सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूसिक ने यूक्रेन की खुफिया सेवाओं और यूरोपीय संघ के एक देश पर रूस के लिए जाने वाली 'एयर सर्बिया' की उड़ानों में बम होने की अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। यूक्रेन ने सर्बिया के इन आरोपों को निराधार और झूठा बताया है। - ब्रसेल्स- यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक जोसेप बोरेल ने यूक्रेन पर सोमवार को रूस के 'अंधाधुंध और अवैध' हमलों की निंदा की। -वाशिंगटन- अमेरिका ने रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में जमीनी हमले करने से पहले हालिया दिनों में तोपों, जमीनी लड़ाकू बलों और अन्य क्षमताओं में वृद्धि की है। -- कीव- रूस के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रश्नावली के यूक्रेन के जवाब को औपचारिक रूप से जमा करा दिया और ईयू की सदस्यता हासिल करने की अपनी मुहिम तेज करने की ओर पहला कदम उठाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

आजादी के जश्न को खास बनाने की हो रही तैयारी, 15 अगस्त तक मोदी सरकार करेगी यह काम

नई दिल्ली । देश में स्मार्ट सिटी परियोजना काफी तेज रफ्तार से चल रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बड़ा ऐलान किया है। हरदीप पुरी ने कहा कि 100 स्मार्ट शहरों में से 80 को पहले ही अपना कमांड एंड कंट्रोल सेंटर मिल गया है। करीब दो लाख करोड़ रुपये की सभी परियोजनाओं के टेंडर हो चुके हैं। लगभग 63,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमें शेष 20 शहरों में 15 अगस्त, 2022 तक काम पूरा करना है। हरदीप पुरी ने कहा कि अगला कदम 100 स्मार्ट शहरों को एक आंदोलन में ले जाना है। गुजरात स्मार्ट शहर में अधिकांश शहरी बुनियादी ढांचे के मामले में बहुत अच्छी तरह से रखा गया है। पुरी ने केंद्र सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सूरत स्मार्ट सिटी निगम विकास लिमिटेड के सहयोग से केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'स्मार्ट सिटीज स्मार्ट अर्बनाइजेशन' सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) में लगभग सभी सरकारी परियोजनाओं में कार्य शुरू हो गया है और एससीएम के तहत परियोजनाएं अगले साल तक पूरी होंगी। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह भी बताया कि एक प्रणाली के रूप में मेट्रो काफी महंगी है। यह उन शहरों के लिए सही है जहां जनसंख्या घनत्व अधिक है और जहां समय-समय पर आवाजाही की जरूरत है। मुझे लगता है गुजरात के शेष शहरों के लिए मेट्रो लाइट या नियो एक बेहतर विकल्प है।

देश में एक हफ्ते में 21 फीसदी बढ़े कोरोना केस, 24 घंटों में सामने आए 1,247 नए केस

नई दिल्ली । स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 24 घंटों में देशभर में 4,01,909 कोरोना टेस्ट किए गए हैं और 1,247 नए केस सामने आए। इस दौरान संक्रमण दर 0.31 प्रतिशत दर्ज की गई। मंत्रालय के अनुसार 24 घंटे में 928 मरीज रिकवर हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है। देश में पिछले एक हफ्ते में नए केस 21 प्रतिशत बढ़ गए हैं। नए केस के हिसाब से तो हालात कंट्रोल में हैं, लेकिन ऐसे जिलों की संख्या बढ़ती जा रही है जहां साप्ताहिक संक्रमण दर 10 प्रतिशत या इससे ज्यादा है। इस सूची में अभी तक केरल, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मेघायल, मिजोरम और मणिपुर का नाम शामिल था लेकिन अब इसमें दिल्ली से सटते हरियाणा के गुरुग्राम का नाम भी जुड़ गया है। यहां साप्ताहिक संक्रमण दर 11 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दर 7.72 प्रतिशत पहुंच चुकी है। अभी तक कोरोना ग्रेडिड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) की कोई पाबंदी लागू नहीं हुई है। ग्रेप में 0.5 प्रतिशत संक्रमण दर होने पर पाबंदियां लगनी शुरू करने का प्रावधान है। हालांकि, इसमें एक हफ्ते में आए नए मामले और हफ्तेभर में ऑक्सिजन बेड भरने का आकलन करना भी अनिवार्य है। दिल्ली के साउथ डिस्ट्रिक्ट का नाम 5 से 10 प्रतिशत साप्ताहिक संक्रमण दर की सूची में जुड़ गया है। इस सूची में पहले दिल्ली के किसी जिले का नाम नहीं था लेकिन 11 से 17 अप्रैल के बीच साउथ डिस्ट्रिक्ट में साप्ताहिक संक्रमण दर बढ़कर 6.26 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसी सूची में फरीदाबाद का नाम भी शामिल है, जहां साप्ताहिक संक्रमण दर 6.18 है।

दिल्ली से सटे गुड़गांव, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद आदि इलाकों में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। कहा जाता है कि जल्दी ही दिल्ली में फिर मास्क को अनिवार्य किया जा सकता है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने कोविड के केस और अस्पतालों की स्थिति की समीक्षा के लिए बुधवार को मीटिंग बुलाई है। बैठक में इस मुद्दे पर निर्णय लिए जाने की संभावना है। फिलहाल बगैर मास्क वालों पर चालान नहीं वसूला जा रहा है। माना जा रहा है कि बैठक में डीडीएमए मास्क नहीं पहनने वालों के चालान की अनुमति दे सकता है। अन्य देशों की स्थिति देखें तो पड़ोसी चीन में हालात बेहद खराब होती जा रही हैं। एक हफ्ते में नए केस 106 प्रतिशत बढ़ गए हैं और मौतों में 300 प्रतिशत तक का इजाफा हो गया है। चीन में 18 अप्रैल को कोरोना के 21,600 नए मामले दर्ज किए गए हैं। भारत में भी पिछले एक हफ्ते में नए केस 21 प्रतिशत बढ़ गए हैं लेकिन मौतों में 27 प्रतिशत तक की कमी है। हालांकि, राहत की बात है कि 24 घंटे के दौरान देश में कोविड-19 के 1,247 नए मामले ही सामने आए। एक दिन पहले कोरोना मामलों में 90 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली थी। एक दिन पहले कोरोना संक्रमण के 2183 मामले सामने आए थे।

केरल हाईकोर्ट का आदेश, ईसाई महिला को अपने मुस्लिम पति के साथ रहना होगा

नवविवाहित जोड़े ने लवजिहाद के आरोपों का खंडन किया

कोच्चि । केरल हाईकोर्ट ने ईसाई महिला के डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के मुस्लिम नेता के साथ विवाह करने के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। महिला के फैसले ने राज्य में उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया, जब उसके संबंधियों ने इस लव जिहाद का मामला बताया, लेकिन महिला ने अदालत को स्पष्ट रूप से बताया कि उस अवैध तरीके से कैद करके नहीं रखा गया है और वह इस समय अपने परिवार से बात नहीं करना चाहती। न्यायमूर्ति वी जी अरुण और न्यायमूर्ति सी एस सुधा की पीठ ने महिला, ज्योत्सना मैरी जोसेफ से बातचीत करने के बाद कहा कि उसने साफ-कहा कि उसने शेजिन से अपनी मर्जी से विवाह करने का फैसला किया और महिला को किसी ने ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उसने (महिला) यह भी कहा कि वह इस समय अपने माता-पिता या परिवार से बात नहीं करना चाहती और बाद में वह ऐसा करेगी। अदालत ने युवती के परिवार को बताया कि महिला ने कहा है कि वह अपने विवाह के बाद उनसे मिलने का इरादा रखती है, जिसके लिए विशेष विवाह अधिनियम के तहत आवेदन दायर किया गया है, जो विचाराधीन है और वह उससे पहले उनसे नहीं मिलेगी। पीठ ने परिवार से कहा कि वह उनकी चिंताओं को समझती है, लेकिन उनकी बेटी 26 वर्षीय महिला है, जो सऊदी अरब में नर्स है, वहां अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम है। पीठ ने कहा कि उसने फैसला कर लिया है और वह इस पर डटी हुई है। यह उसकी इच्छा एवं खुशी है। वह अभी अपने परिवार से बात नहीं करना चाहती, तब हम उसे ऐसा करने के लिए कैसे बाध्य कर सकते हैं। दरअसल महिला के पिता जोसेफ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करके आरोप लगाया था कि उनकी बेटी को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया था और पुलिस को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि ज्योत्सना को उनके समक्ष लाया जाए। ज्योत्सना के पिता ने कहा था कि जिस दिन से उनकी बेटी ने घर छोड़ा है, उसने किसी से बात नहीं की है, इसकारण उनका मानना है कि ज्योत्सना के पति ने उसकी मर्जी के खिलाफ कैद कर रखा है। वधू पक्ष के रिश्तेदारों द्वारा लव जिहाद का आरोप लगाने के बाद इस अंतरधार्मिक विवाह के कारण राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

देश के छोटे किसान हर साल 8.5 लाख करोड़ रुपये के दूध का उत्पादन करते: पीएम नरेंद्र मोदी

बनासकांठा (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा जिले में बनास डेयरी के नए परिसर और आलू की प्रोसेसिंग की यूनिट का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि देश के छोटे किसान हर साल 8.5 लाख करोड़ रुपये के दूध का उत्पादन करते हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि दूध के उत्पादन की कुल कीमत गेहूं और चावल की पैदावार से अधिक है और छोटे किसान डेयरी क्षेत्र के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है। करोड़ों किसानों की आजीविका दूध पर निर्भर करती है। भारत सालाना 8.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य का दूध उत्पादन करता है, जिस पर बड़े अर्थशास्त्रियों सहित कई लोग ध्यान नहीं देते हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, गांवों की अर्थव्यवस्था किस तरह से विकेंद्रित है, इसका उदाहरण दूध का उत्पादन है। इसके मुकाबले में गेहूं और धान का उत्पादन भी कम हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा छोटे किसानों को होता है। उन्होंने कहा, गांवों की विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था प्रणाली इसका एक उदाहरण है। इसके विपरीत, गेहूं और चावल की पैदावार भी 8.5 लाख करोड़ रुपये दूध उत्पादन के बराबर नहीं है। और छोटे किसान डेयरी क्षेत्र के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। मोदी ने कहा कि बनास डेयरी के नए डेयरी परिसर और आलू प्रसंस्करण संयंत्र का उद्देश्य स्थानीय किसानों को सशक्त बनाना और क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री ने बनास सामुदायिक रेडियो स्टेशन, पालनपुर में पनीर उत्पादों व मट्ठा पाउडर के उत्पादन के लिए विस्तारित सुविधाओं और दामा में स्थापित जैविक खाद व बायोगैस संयंत्र को भी राष्ट्र को समर्पित किया। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी लगातार दूसरे महीने तीन दिन के दौरे पर गुजरात पहुंचे हैं। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, उससे पहले भाजपा काफी सक्रिय है। पीएम नरेंद्र मोदी के इन दौरों को

भाजपा की चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। आने वाले महीनों में वह लगातार अपने गृह राज्य के दौरे पर जाएंगे।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, यूपी में बिना अनुमति नहीं निकाल पाएंगे धार्मिक जुलूस या शोभायात्रा

लखनऊ। (एजेंसी)

हाल में ही देखें तो रामनवमी और हनुमान जयंती के अवसर पर देश के विभिन्न इलाकों में निकाली गई शोभायात्रा के दौरान हिंसा की खबरें आई हैं। इसको लेकर खूब राजनीति भी हो रही है। इन सबके बीच उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है ।योगी सरकार के फैसले के मुताबिक उत्तर प्रदेश में अब बिना अनुमति के कोई भी शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस नहीं निकाली जाएगी। इसको लेकर सरकार की ओर से एक आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही शोभा यात्रा निकालने से पहले आयोजकों से शांति सौहार्द कायम रखने के लिए शपथ पत्र भी मांगा जाएगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक कोई शोभायात्रा/धार्मिक जुलूस बिना विधिवत अनुमति के न निकाली जाए। अनुमति से पूर्व आयोजक से शांति-सौहार्द कायम रखने के संबंध में शपथ पत्र लिया जाए। अनुमति केवल उन्हीं धार्मिक जुलूसों को दिया जाए, जो पारंपरिक हों, नए आयोजनों को अनावश्यक अनुमति न दी जाए। हाल में हुई हिंसा के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में धार्मिक आयोजनों को लेकर अत्यधिक सतर्कता बरतने को भी कहा है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी साफ कर

दिया है कि सड़क पर कोई भी धार्मिक आयोजन नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व-त्योहार हैं। रमजान का महीना चल रहा है और ईद का त्योहार और अक्षय तृतीया एक ही दिन होना संभावित है। ऐसे में वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा।

वहीं माइक की आवाज परिषद तक ही सीमित रहे। फिलहाल 4 मई तक पुलिस प्रशासन के अफसरों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। योगी ने अफसरों से कहा है कि वे सुनिश्चित करें कि धार्मिक कार्यक्रम पूजा-पाठ तय स्थान पर ही हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आने वाले त्योहारों के मद्देनजर सोमवार को शासन और प्रशासन के अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करते हुए पुलिस को अतिरिक्त तौर पर संवेदनशील रहने की हिदायत दी और दो टूक कहा कि माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता की जाए, ऐसे लोगों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रमजान, ईद और अक्षय तृतीय जैसे त्योहारों को लेकर सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

अठावले बोले- महाराष्ट्र में नहीं होनी चाहिए लाउडस्पीकर की राजनीति, राज ठाकरे की भूमिका का करेंगे विरोध

नई दिल्ली । (एजेंसी)

महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर को लेकर खूब राजनीति हो रही है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे लगातार लाउडस्पीकर के जरिए मस्जिदों के अजान का विरोध कर रहे हैं। इसी को लेकर रामदास अठावले ने बड़ा बयान दिया है। रामदास अठावले ने कहा कि महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर की राजनीति नहीं होनी चाहिए। कई सालों से मस्जिद में लाउडस्पीकर लगे हैं। लाउडस्पीकर को लेकर क्या करना है उस पर मुस्लिम समाज विचार कर सकता है लेकिन मुझे लगता है कि एक धर्म के लोगों को दूसरे धर्म का आदर करना चाहिए। एजेंसी के मुताबिक केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नवरात्र और अन्य उत्सवों पर लाउडस्पीकर चलते हैं। मस्जिद के लाउडस्पीकर निकालने की राज ठाकरे की भूमिका का हम विरोध करते हैं। राज ठाकरे को अगर मंदिर पर भी लाउडस्पीकर लगाने हैं तो वो लगा सकते हैं। अगर मस्जिद के लाउडस्पीकर निकाले जाते हैं तो रिपब्लिकन पार्टी विरोध करेगी। वहीं आज ही राज ठाकरे की पार्टी की तरफ से कहा गया है कि 3 मई को पूरे महाराष्ट्र में मंदिरों में लाउड स्पीकर लगाकर 'आरती' की जाएगी। राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता नितिन सरदेसाई ने जानकारी दी है कि पार्टी के कार्यकर्ता पूरे राज्य में अपने स्थानीय मंदिरों में 3 मई को 'महाआरती' करेंगे। उन्होंने कहा कि 'आरती' लाउडस्पीकर पर की जाएगी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने लाउडस्पीकर को लेकर मोर्चा खोला हुआ है। इसके साथ ही राज ठाकरे की तरफ से 3 मई तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने का अल्टीमेटम भी दिया गया है। वहीं महाराष्ट्र में अब लाउडस्पीकर लगाने को लेकर परमीशन की आवश्यका होगी। सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक सभी पुलिस आयुक्तों, आईजी और एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक करने जा रहे हैं।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा, अबू सलेम मामले में पुर्तगाल से किया वादा मानने को बाध्य है भारत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि भारत सरकार अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम पर पुर्तगाल अथॉरिटी को दी गई अंडरटेकिंग का पालन करने को बाध्य है। भारत सरकार ने 17 दिसंबर 2002 को पुर्तगाल सरकार को अंडरटेकिंग दी थी कि सलेम को मौत की सजा नहीं दी जाएगी और साथ ही 25 साल से ज्यादा जेल की सजा नहीं दी जाएगी। मुंबई बम ब्लास्ट और अन्य केस में सलेम आरोपी है। उसे एक मामले में उम्रकैद की सजा दी गई है। भारत सरकार के गृह सचिव अजय भल्ला की ओर से सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर बताया गया है कि भारत सरकार ने 17 दिसंबर 2002 को पुर्तगाल अथॉरिटी के सामने सलेम के प्रत्यर्पण के वक्त जो अंडरटेकिंग दी थी उसका पालन होगा।

सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि हमारे देश में न्यायपालिका स्वतंत्र है और वह कानून के आधार पर फैसला लेती है। कार्यपालिका में जो भी स्टैंड लिया जाता है वह अदालत के फैसले में बाधक नहीं हो सकता है। भारत सरकार पुर्तगाल में जो अंडरटेकिंग दी हुई है उससे बंधा हुआ है लेकिन सरकार ने जो अंडरटेकिंग दी हुई है उसका वह पालन कर रही है या नहीं यह सवाल तो तब पैदा होगा जब सलेम 25 साल की सजा काट लेगा। सलेम की 25 साल की सजा 10 नवंबर 2030 को पूरी हो रही है। उससे पहले सलेम अंडरटेकिंग की बात कह कर राहत नहीं क्लेम कर सकता है। सलेम की ओर से जो दलील रखी गई वह समय से पहले की बात है। उसकी आशंका कल्पना पर आधारित है। मौजूदा मामले में जो अपील है उस दौरान उस बात को नहीं उठाया जा सकता है। सलेम की सजा जब 25 साल पूरी हो जाएगी तब यह बात उठगी। उससे पहले की बात नहीं है। अबू सलेम के प्रत्यर्पण के समय तत्कालीन उप प्रधानमंत्री एलके अडवाणी ने जो अंडरटेकिंग दी थी उससे भारत सरकार मानने को बाध्य है।

जहांगीरपुरी हिंसा पर पाकिस्तान के जहरीले बोल, मुस्लिमों को निशाना बनाने का लगाया आरोप

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भले पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन हुआ है। लेकिन भारत को लेकर उसके जहरीले बयान कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। पाकिस्तान में नई नवेली शहबाज शरीफ की नेतृत्व वाली सरकार ने भी भारत के खिलाफ बयान देना शुरू कर दिया है। पहले ही शहबाज शरीफ ने कश्मीर राग अलाप लिया था। अब पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारत को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है। दरअसल, पाकिस्तान की ओर से हाल में ही दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हुई हिंसा पर प्रतिक्रिया दी गई है। इसको लेकर पहले तो पाकिस्तान ने कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान की ओर से आरोप लगाया गया है कि भारत के कई शहरों में मुस्लिम समुदायों पर लगातार हमले की कोशिश की जा रही है और इन हमलों को कट्टर हिंदुओं की ओर से अंजाम दिया गया है।

इसके साथ ही पाकिस्तान ने यह भी

मांग कर दी कि मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए दुनिया भारत को जिम्मेदार ठहराया। एक प्रतिष्ठित इंग्लिश समाचार पत्र के मुताबिक जहांगीरपुरी इलाके में हुई हिंसा के बाद इस्लामाबाद की ओर से जो बयान जारी किया गया है वह भारत को कभी भी पसंद नहीं आएगा। बयान में कहा गया है कि मस्जिद पर झंडा फहराने की घृणित कोशिश की गई है और साथ ही साथ आपत्तिजनक नारे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा उसमें भड़काऊ संगीत भी बजाया गया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि हिंदुओं ने शोभा यात्रा के दौरान हथियार भी लहराए थे। शहबाज शरीफ के अंतर्गत आने वाले विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि भारत में यह मुस्लिमों के खिलाफ राज?य की ओर से स्वीकृत उन्माद और घृणा की गंभीरता का खुलासा करता है।

फिलहाल इसको लेकर भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हालांकि सरकारी सूत्रों ने कहा है कि पाकिस्तान को अपने यहां देखना चाहिए। पाकिस्तान को जाति और धार्मिक अल्पसंख्यकों को सताया जाने की अपने रिकॉर्ड के बारे में पड़ताल करनी चाहिए। पाकिस्तान की ओर से दावा किया गया है कि जहांगीरपुरी की घटना फरवरी 2020 की घटना की याद दिलाती है जहां मुस्लिम समुदाय को अलग-थलग करने और निर्वासित करने की साजिश रची गई थी। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि भारत के हिंदू राष्ट्र की ओर तेजी से झुकाव की ओर यह तमाम चीजें दशार्ता है। मध्यप्रदेश और गुजरात में मुस्लिमों के घरों को बर्बाद किए जा रहे हैं।

अपनी ही सरकार की पशुपति पारस ने खोली पोल, कहा- कौन कहता है बिहार में दारू नहीं मिलती

नई दिल्ली (एजेंसी)

बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। बावजूद इसके बिहार में अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है और हर रोज शराब पकड़ी भी जाती है। इसके अलावा अक्सर यह भी खबर आती है कि बिहार में जहरीली शराब पीने से किसी की मृत्यु हो गई। यही कारण है कि विपक्ष लगातार नीतीश कुमार की सरकार पर हमलावर रहता है। विपक्ष का दावा है कि बिहार में शराबबंदी पूरी तरीके से फेल है और इसकी वजह से भ्रष्टाचार बढ़ा है। हालांकि अब खुद एनडीए के सहयोगी और मोदी सरकार में मंत्री पशुपति कुमार पारस ने भी बिहार में शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। पशुपति पारस ने ऐसा बयान दिया है जो कि नीतीश कुमार की सरकार की पोल खोल रहा है। मीडिया से बातचीत में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी सुप्रीमो पशुपति पारस ने इस बात को कुबूल किया कि बिहार में शराब खूब मिल रही है। शराब को लेकर जब पत्रकारों ने उनसे सवाल किया तो उसके पलटवार में मंत्री ने भी सवाल कर दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कौन कहता है कि बिहार में दारू नहीं मिलती? उन्होंने कहा कि वे मानते हैं कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। बावजूद इसके गलत तरीके से शराब बेची जाती है। उन्होंने कहा कि बिहार में बड़े पैमाने पर शराब की बिक्री हो रही है और इस तथ्य से कोई भी इनकार नहीं कर सकता। उन्होंने दावा किया कि राज्य में शराब आसानी से उपलब्ध है। यही कारण है कि नियमित रूप से काफी ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

पारस ने चिराग पर राजनीतिक फायदा उठाने का आरोप लगाया

पशुपति कुमार पारस ने अपने भतीजे चिराग पासवान पर दिवंगत रामविलास पासवान को आवंटित घर से हाल में बेदखल किए जाने को मुद्दा बनाकर इसका राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। पासवान के छोटे भाई पारस ने दावा किया कि केंद्र ने चिराग को 12ए जनपथ बंगला खाली करने से पहले छह नोटिस भेजे थे और आरोप लगाया कि चिराग अब यह दावा करके सहानुभूति बटोर रहे हैं कि बेदखली के दौरान रामविलास पासवान के सामान को विरूपित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि चिराग ने खुद बड़े साहब (रामविलास पासवान) की तस्वीरें सड़क के किनारे फेंकी थीं और अब वह विलाप कर रहे हैं कि बेदखली को अंजाम देने वाले कर्मियों ने ऐसा किया।' उन्होंने पूछा, 'वह अपना सारा सामान सुरक्षित रूप से कैसे ले गए और बंगले के बाहर फेंकी गई चीजों में उनकी और उनकी मां का एक भी सामान क्यों नहीं था।

भारत में नहीं तो क्या पाकिस्तान-बांग्लादेश में निकाले जाएंगे रामनवमी-हनुमान जयंती के जुलूस : गिरिराज

नई दिल्ली । देश में रामनवमी और हनुमान जयंती के दिन निकाली गई शोभायात्रा के बाद कई जगह हिंसक घटनाएं हुई हैं। कई लोग शोभायात्रा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि भारत में रामनवमी या हनुमान जयंती नहीं मनाई जाएगी तो क्या बांग्लादेश, अफगानिस्तान या पाकिस्तान में मनाई जाएगी? उन्होंने सवाल किया कि देश में नहीं तो रामनवमी या हनुमान जयंती के जुलूस कहां निकाले जाएंगे?

शोभा यात्रा के दौरान कई जगह पर हुई हिंसा की खबरों को लेकर गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कहा कि यह हमारे देश की गंगा जमुनी तहजीब के दावों के विपरीत है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा अब सब्र टूट रहा है। भाजपा के तेजतर्रार नेता ने कहा आजादी के बाद नई मस्जिदों के निर्माण और मुस्लिमों की आबादी में कई गुना बढ़ोतरी के बावजूद भी हमने कभी आपत्ति नहीं जताई।

जबकि, पाकिस्तान और बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ा गया। वहां हिंदू लगभग विलुप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि अब धैर्य समाप्त हो रहा है। गिरिराज सिंह ने कर्नाटक के हुगली और दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हिंसा की घटनाओं पर नाराजगी व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा गोरखपुर में हुई घटना से वे स्तब्ध हैं। भाजपा सांसद ने कहा एक आईआईटी स्नातक ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाले धार्मिक संस्थान गोरखधाम पीठ पर हमला किया। गिरिराज सिंह ने राजस्थान के करौली शहर में हालिया हिंसा व आगजनी की निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं की ह्यस्क्रिप्टह्ल (पटकथा) कहीं और लिखी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पीएम मोदी ने जामनगर में ग्लॉबल सेंटर फोर ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर की आधारशिला रखी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जामनगर.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक केन्द्र (जीसीटीएम) का शिलान्यास किया। इस मौके पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, आयुष विभाग के केन्द्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत 8 से 10 देशों के राजदूत उपस्थित रहे। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जामनगर के साथ आयुर्वेद का पुराना नाता है7 दशकों पहले जामनगर में आयुर्वेद यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी। 25 वर्ष में परंपरागत चिकित्सा पद्धति का यह केन्द्र बनेगा। यह केन्द्र जामनगर को जामनगर में विश्वफलक पर नई उंचाइयों पर ले जाएगी। पीएम मोदी ने पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक केन्द्र की जिम्मेदारी भारत को सौंपने के लिए डब्ल्यूएचओ का आभार व्यक्त किया और कहा कि डब्ल्यूएचओ ने हम पर जो भरोसा किया है, उसमें भारत खरा उतरेगा। गौरतलब है जामनगर के गोरधनपर में ग्लोबल सेंटर फोर ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर (जीसीटीएम) आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन की मदद से बनेगा। जीसीटीएम के नाम से आकार लेने वाला दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए पहला और एकमात्र वैश्विक आउटपोस्ट केंद्र होगा। यह वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य के एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभरेगा। इस सेंटर में 138 प्रकार की विभिन्न देशों की चिकित्सा पद्धति द्वारा किसी भी रोग का उपचार एक ही छत के नीचे किया जाएगा और लोगों को सस्ती दवाइयां भी मिलेगी। जीसीटीएम 2024 तक बनकर तैयार होगा और इसका भवन तीन मंजिल का होगा। रु 1349.46 लाख के खर्च से तैयार होगा। जिसमें कांफ्रेंस रूम, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लेब, ट्रेनिंग होल, कचहरी, अधिकारी चैम्बर समेत का लेआउट तैयार किया गया है।

पीएम मोदी ने दियोदर में बनास डेयरी प्लांट किया लोकार्पण,महिलाओं ने ली बलैया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात यात्रा के दूसरे दिन आज बनासकांठा जिले के दियोदर में बनास डेयरी के नवनिर्मित प्लांट समेत विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। राज्य के पूर्व मंत्री शंकर चौधरी के साथ पीएम मोदी ने बनास डेयरी प्लांट का निरीक्षण किया। इस मौके पर डेयरी में काम करने वाली महिलाओं ने पीएम मोदी की बलैया ली। पीएम मोदी ने पोटेटो प्रोसेसिंग और प्रोडक्ट यूनिट का ई लोकार्पण किया। यह दुनिया का पहला पोटेटो प्रोसेसिंग प्लांट है, जिसमें आलू टिक्की, फ्रेंच फ्राइज, बर्गर समेत 4 वस्तुएं बनेंगी। पीएम मोदी ने बनास गोबर गैस प्लांट और बायो सीएनजी स्टेशन धामा

का ई लोकार्पण किया। इसके अलावा खीमाणा, रतनपुर, राधनपुर और थावर समेत 4 गोबर प्लांट का भी ई लोकार्पण किया। इस अवसर पर महिला पशुपालकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपसे क्षमा और अनुमति हो तो थोड़ा हिन्दी बोलना चाहता हूं। क्योंकि मीडिया के लोगों का अनुरोध है। अब बाबा बने हैं तो थोड़ा हिन्दी बोलना पड़ेगा। मां नडेश्वरी और मां अंबाजी की पावन भूमि को शत शत नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि शायद जीवन में पहली बार ऐसा अवसर आया है, जब एक साथ दो लाख से अधिक माताएं और बहनें आशीर्वाद देने आई हैं। जब वे मेरी बलैया ले रही थीं, तब अपने मन को रोक नहीं पाया। यह आशीर्वाद मेरे लिए अनमोल है और मैं बनास की सभी माता और बहनों को आदर पूर्वक नमन करता हूं। पिछले दो घंटों में यहां मैं कई जगह गया। सरकारी योजना की लाभार्थी महिलाओं के साथ भी बातचीत की और प्लांट का दौरा भी किया। इस दौरान मैंने जो भी देखा उससे काफी प्रभावित हूं। भारत में गांव की अर्थ व्यवस्था और माता-बहनों के सशक्तिकरण को किस प्रकार बल दिया जाए। सरकार किस प्रकार आत्मनिर्भर भारत अभियान को ताकत दे, इन सबका यहां प्रत्यक्ष अनुभव हुआ है। कुछ महीने पहले मुझे बनारस में बनास काशी परिसर के शिलान्यास के अवसर मिला था। इसके लिए मैं बनास डेयरी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिसने मेरे निर्वाचन क्षेत्र में आकर वहां के किसानों की सेवा करने का संकल्प किया है। काशी का सांसद होने के नाते मैं आपका ऋण हूं और खासकर बनास डेयरी का आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बनास डेयरी प्लांट के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने से कई गुनी खुशी बढ़ गई है। आज यहां जो भी लोकार्पण और शिलान्यास किए हैं, वह भविष्य निर्माण के उत्तम उदाहरण हैं। बनास डेयरी के चीज और व्हे प्लांट इत्यादि डेयरी सेक्टर के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं, परंतु बनास डेयरी ने तो यह भी साबित कर दिया है कि स्थानीय किसानों की आय बढ़ाने के लिए अन्य संसाथनों का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आलू और दूध कोई लेना-देना नहीं है, परंतु बनास डेयरी ने यह संबंध भी जोड़ दिया है। दूध, छांछ, दही, पनीर, चीज, आईस्क्रीम के साथ ही आलू टिक्की, आलू वेज, फ्रेंच फ्राइज जैसे उत्पादनों में भी बनास डेयरी के किसानों ने अपना सामर्थ्य दिखाया है।

यह भारत के लोकल को ग्लॉबल बनने की दिशा में एक अच्छा कदम है। बनासकांठा जैसे कम बारिश वाले जिले की ताकत कांकरेज गाय, मेहसाणी भैंस और यहां के आलू के जरिए यहां के किसानों का भाग्य कैसे बदला जा सकता है यह आज हम बनासकांठा में देख सकते हैं। बनास डेयरी तो किसानों को आलू के अच्छे बीज उपलब्ध कराती है और उसके अच्छे भाव भी देती है। आलू किसानों के लिए करोड़ों रुपए की कमाई का एक साधन बन गया है। जो केवल आलू तक सीमित नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने लगातार स्वीट रिवॉल्यूशन की बात की है। शहद के जरिए किसानों की अतिरिक्तकमाई हो इसका आह्वान किया है, जिसे बनास डेयरी ने गंभीरता से अपनाया है। मुझे यह जानकर भी खुशी हुई है बनास डेयरी यहां मूंगफली और सरसव को लेकर भी योजना बनाई है और तेल संयंत्र लगाने जा रही है।

सूरत में सड़क पार करते समय बीआरटीएस रूट पर एसटी बस की चपेट में

एक युवक,उसका सिर फट गया और उसकी मौके पर ही मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में बीआरटीएस रूट पर एसटी बस

की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई. नेपाल के रहने वाले युवक और सचिन इलाके में एक दोस्त के साथ एक कमरे में रहते थे। सुबह करीब 8 बजे पांडेसरा यूनिटी एस्टेट बटलीबॉय के पास कामनाथ महादेव के पास एक सीएनजी पंप के सामने सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान एक एसटी बस की सामने आ रही बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

युवक एक दोस्त के साथ किराए के कमरे में रह रहा था नेपाल के मूल निवासी और सचिन क्षेत्र में एक दोस्त के साथ किराए के कमरे में रहने वाले सुभाष राकेश सुबह करीब 8 बजे पांडेसरा इलाके में सड़क पार कर बीआरटीएस मार्ग से गुजर रहे थे. . बिलिमोरा से मोडासा जा रही एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी, जहां उनका मौके पर ही सिर काट दिया गया।

थाने में पेश हुआ चालक

पूरे मामले में शामिल पीएसआई केडी पटेल ने बताया कि हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, इसलिए पीएम ने कार्रवाई की. दूसरी ओर, दुर्घटना का कारण बने एसटी का चालक थाने में मौजूद था, इसलिए उन्हें हिरासत में लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है.

सूरत के अमरोली में डंपर की चपेट में आने से बुजुर्ग दंपति की मौत, पोता घायल

"मैं आपका अनन्य साथी हूँ और आपके साथ रहकर काम करना चाहता हूँ": प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने बनासकाँठा में बनास डेयरी परिसर में बहुविद् विकास परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित कीं